RNINo.UPHIN/2016/70293

हिन्दी दैनिक समाचार–पत्र

अमिट रेखा

वर्ष 05 | अंक 56 | कुशीनगर | गुरूवार 24 दिसम्बर, 2020 | पृष्ठ 8 | मूल्य 1 रूपये

किसान आंदोलनः सीएम योगी ने विपक्ष पर साधा निशाना

विपक्ष का दुष्प्रचार जिम्मेदार

लखनऊ,एजेन्सी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए बुधवार को कहा कि आशंकाएं दूर किए जाने के बावजूद विरोध जारी रहना विपक्षी दलों के दुष्प्रचार का नतीजा है। सीएम योगी ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 118वीं जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम में कहा, श्किसान के चेहरे पर खुशहाली लाने के लिए ही कृषि क्षेत्र में तेजी के साथ सुधार के लिए केंद्र सरकार ने तीन कृषि कानूनों में व्यापक सुधार किए हैं लेकिन जिन्हें किसानों की प्रगति, देश का विकास और किसान के चेहरे पर खुशी अच्छी नहीं लगती, वे गुमराह करके किसानों को भड़का रहे हैं। उन्होंने कहा कि बार–बार कहा जा रहा है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) समाप्त नहीं होगा लेकिन तब भी एमएसएपी के नाम पर गुमराह किया जा रहा है। बार–बार कहा जा रहा है कि मंडियां समाप्त नहीं होंगी लेकिन तब भी इसके नाम पर गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने मंडी को तकनीक के साथ जोड़ा लेकिन तब भी गुमराह किया जा रहा है कि मंडी बंद हो जाएगी। यह कैसी राजनीति है? सीएम योगी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि ये (विपक्ष) किसान के हित के लिए किए जा रहे प्रयास, चाहे वह कॉन्ट्रैक्ट खेती का हो, मंडी का हो, एमएसपी का हो, किसान के हित के अनुकूल कुछ भी नहीं होने देंगे लेकिन हम इस बात को पूरी मजबूती से कहना चाहते हैं कि देश के अंदर किसानों के लिए समर्पित भाव के साथ अगर कोई सरकार काम कर रही है और आजादी के बाद किसी एक सरकार ने किसानों के हित के लिए इतनी योजनाएं दी है तो वह केंद्र की मोदी सरकार ही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं सभी किसान भाइयों बहनों से कहना चाहता हूं कि एपीएमसी एक्ट के तहत प्रावधान किया जा रहा है कि अब किसान केवल मंडियों में ही अपने उत्पाद ले जाने को मजबूर नहीं होगा।

भारत के इतिहास की जड़ें बहुत गहरी है। इतने सालों में इस देश में जाने कितने ही राज्य बने, कितने ही शासकों ने राज्य किया और समय के साथ प्रदेशों के नाम भी बदलते गए। घर में यदि किसी छोटे बच्चे का जन्म होता है तो उसका नाम रखने में भी घर वालों को न जाने कितने दिन बीत जाते हैं। नाम का अर्थ, शिशु के गुण आदि पर विचार किया जाता है तो यह तो तय बात है कि देश की इन पुरानी नगरियों के नाम भी यूं ही तो नहीं रख दिये गए होंगे।

कृषि कानूनः आज सड़क पर उतरेंगे राहुल गांधी, विजय चौक से राष्ट्रपति भवन तक करेंगे मार्च

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कृषि कानूनों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी कल सुबह 10.45 बजे विजय चौक से लेकर राष्ट्रपति भवन तक मार्च करेंगे। इस दौरान राहुल के नेतृत्व में अन्य कांग्रेसी सांसद भी इसमें भाग लेंगे। इसके बाद राहुल और अन्य वरिष्ठ नेता राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात करेंगे और उनके हस्तक्षेप के लिए दो करोड़ हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन प्रस्तुत करेंगे। कांग्रेस सांसद के सुरेश ने इसकी जानकारी दी है। नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस नेताओं पर साधा निशाना वहीं, कांग्रेसी नेताओं के प्रदर्शन को लेकर मध्यप्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि कांग्रेस नेता कमलनाथ जी, जो 15 महीनों में कभी किसान के खेतों में नहीं गए। वे ट्रैक्टर की सवारी करेंगे। राहुल गांधी, जिन्होंने श्सोफा–कम–ट्रैक्टरश चलाया था, उन्हें यह भी नहीं पता कि आलू जमीन के ऊपर उगता है या नीचे। मिश्रा ने कहा, मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि इन कृषि कानूनों में श्कालाश क्या है। यह श्टुकड़े–टुकड़े गिरोहश किसानों को भड़काने और गुमराह करने वाला है। अब तक, कोई भी श्काले कानूनोंश की व्याख्या नहीं कर सका।

बीजेपी सांसदों–विधायकों के घर प्रदर्शन से पहले अजय लल्लू रोके गए, थाली बजाकर जताया विरोध

लखनऊ,(एजेंसी)। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को लखनऊ में उनके आवास पर पुलिस द्वारा रोक दिए जाने की सूचना है। नए कृषि कानूनों के खिलाफ कांग्रेस ने आज किसान दिवस पर भाजपा के सांसदों और विधायकों के घर प्रदर्शन का ऐलान किया था। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष इसके लिए निकलते इससे पहले ही उन्हें उनके आवास पर रोक दिया गया। इसके बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं के साथ ताली–थाली बजाकर अपने आवास के सामने ही प्रदर्शन किया। अजय लल्लू ने कहा कि सरकार किसान विरोधी है। किसान आंदोलित है। सड़कों पर हैं। शहादत दे रहे हैं। अधिकारी नौकरी छोड़ रहे हैं। सरकार बताए कि चार साल हो गए, किसानों की फसल बर्बाद हुए अब तक कितने किसानों को मुआवजा दिया गया। उन्होंने कहा कि यदि एमएसपी और मंडियां खत्म नहीं होनी हैं तो सरकार विधेयक लाकर किसानों को तसल्ली और इसकी गारंटी क्यों नहीं दे रही है। आज लखनऊ में बहुखंडी स्थित भाजपा विधायकों–मंत्रियों के आवास पर ताली – थाली बजाकर सरकार का विरोध किया।रुकिसानऋहमाराऋअभिमान चपब.जूपजजमत. बवउध्ल्त्ड्डथ्पच्सल1 गौरतलब है कि कांग्रेस लगातार किसान आंदोलन के समर्थन में आंदोलन कर रही है। आज इसी क्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाजपा के सांसदों–विधायकों के घर प्रदर्शन का ऐलान किया था। इसी के चलते अजय कुमार लल्लू को हाउस अरेस्ट किया गया है।

पश्चिम बंगालः चुनाव में हिंसा की आशंका को लेकर सुप्रीम कोर्ट से गुहार, विपक्षी नेताओं की सुरक्षा की मांग

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी व कानूनी तैयारियां शुरू हो गई हैं। वहीं, राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा है कि राज्य में चुनावों के दौरान राजनीतिक हिंसा हो सकती है। इस आशंका के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर गुहार लगाई गई है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित कराए जाएं। याचिका में मांग की गई है कि राज्य में विपक्षी पार्टी के नेताओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाए। गौरतलब है कि हाल ही में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे थे। इस दौरान उनके काफिले पर पथराव किया गया। इस काफिले में भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय की कार भी शामिल थी। पथराव के चलते विजयवर्गीय चोटिल हो गए। इसे लेकर राज्य में काफी सियासी बवाल भी मचा था। भाजपा ने सीधा आरोप टीएमसी कार्यकर्ताओं पर लगाया। वहीं, केंद्र सरकार ने पथराव के बाद राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी को तलब किया। हालांकि, दोनों ही अधिकारियों ने गृह मंत्रालय द्वारा दिए गए आदेश की अवहेलना की और मंत्रालय नहीं पहुंचे। ऐसे में अब माना गया कि इससे राज्य और केंद्र सरकार के बीच प्रशासनिक और कानूनी जंग शुरू हो सकती है।

किसान आंदोलन का 28वां दिनः किसान आज सरकार की चिट्ठी का जवाब देंगे, कहा...

हम 24 घंटे बात करने को तैयार, उनकी नीयत खराब

नई दिल्ली,(एजेंसी)। किसानों का कहना है कि सरकार ने पुराना प्रपोजल ही भेजा है। सरकार कानून वापस नहीं लेना चाहती। फोटो टिकरी बॉर्डर की है। कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन का आज 28वां दिन है। सरकार ने बातचीत के न्योते की जो चिट्ठी रविवार रात भेजी थी, उसका जवाब किसान आज देंगे। दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे किसानों ने कहा कि हम 24 घंटे बात करने के लिए तैयार हैं, लेकिन सरकार बात नहीं करना चाहती, क्योंकि उनके मन में खोट है। राजनाथ बोले– किसानों के लिए सरकार संवेदनशील आज किसान दिवस है। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किसानों को शुभकामनाएं दी हैं। राजनाथ ने कहा कि किसान देश को खाद्य सुरक्षा देते हैं। कुछ किसान कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। सरकार उनसे पूरी संवेदनशीलता से बात कर रही है। उम्मीद है कि वे जल्द आंदोलन खत्म करेंगे। टिकरी बॉर्डर पर खालसा एड ने किसान मॉल खोल दिया है। यहां सभी किसानों को एक फॉर्म दिया गया है, इसमें अलग–अलग प्रोड्क्टस के नाम लिखे हैं। किसान को जिस भी चीज की जरूरत है, वह उसके आगे टिक लगाकर मॉल से ले सकता है। टिकरी बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे किसान ने कहा– किसान दिवस पर मैं मोदी सरकार को एक ही बात बोलना चाहता हूं कि कृषि कानूनों को वापस लेकर हमें आज ये गिफ्ट में दें, क्योंकि आज का किसान पढ़ा–लिखा है। उन्हें इन कानूनों के बारे में पता है। किसान दिवस पर गाजीपुर बॉर्डर पर प्रदर्शनकारियों ने हवन कर आंदोलन की सफलता की कामना की। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल की प्रमुख ममता बनर्जी के निर्देश पर उनकी पार्टी के 5 सांसदों ने सिंघु बॉर्डर पर किसानों से मुलाकात की। इनमें डेरेक ओश्ब्रायन, शताब्दी रॉय, प्रसून बनर्जी, प्रतिमा मंडल और मोहम्मद नदीमुल हक शामिल थे। कांग्रेस ने कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए राष्ट्रपति से दखल की मांग की है। 24 दिसंबर को राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष के नेता 2 करोड़ किसानों के साइन वाला ज्ञापन राष्ट्रपति को सौंपेंगे। ब्रिटिश पीएम को भारत आने से रोकने की अपील करेंगे किसान किसान नेता कुलवंत संधू ने कहा कि हम ब्रिटेन के सांसदों को लिख रहे हैं कि जब तक केंद्र सरकार किसानों की बात नहीं मानती, तब तक च्ड बोरिस जॉनसन को भारत आने से रोकें। दूसरी तरफ किसानों की भूख हड़ताल भी जारी है। दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सीमाओं पर जहां–जहां प्रदर्शन चल रहा है, वहां रोज 11 किसान 24 घंटे के उपवास पर बैठ रहे हैं। सरकार का दावा– यूपी के किसान नेता हमारे साथ कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मंगलवार को कहा, श्उत्तर प्रदेश के कुछ किसान नेता मुझसे मिले। उन्होंने नए कृषि कानूनों को लेकर सरकार का समर्थन किया है। उनका कहना है कि कानूनों में बदलाव नहीं होने चाहिए।

राजनाथ बोले– किसानों के लिए सरकार संवेदनशील

आज किसान दिवस है। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किसानों को शुभकामनाएं दी हैं। राजनाथ ने कहा कि किसान देश को खाद्य सुरक्षा देते हैं। कुछ किसान कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। सरकार उनसे पूरी संवेदनशीलता से बात कर रही है। उम्मीद है कि वे जल्द आंदोलन खत्म करेंगे। टिकरी बॉर्डर पर खालसा एड ने किसान मॉल खोल दिया है। यहां सभी किसानों को एक फॉर्म दिया गया है, इसमें अलग–अलग प्रोड्क्टस के नाम लिखे हैं। किसान को जिस भी चीज की जरूरत है, वह उसके आगे टिक लगाकर मॉल से ले सकता है।

ब्रिटिश पीएम को भारत आने से रोकने की अपील करेंगे किसान

किसान नेता कुलवंत संधू ने कहा कि हम ब्रिटेन के सांसदों को लिख रहे हैं कि जब तक केंद्र सरकार किसानों की बात नहीं मानती, तब तक पीएम बोरिस जॉनसन को भारत आने से रोकें। दूसरी तरफ किसानों की भूख हड़ताल भी जारी है। दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सीमाओं पर जहां–जहां प्रदर्शन चल रहा है, वहां रोज 11 किसान 24 घंटे के उपवास पर बैठ रहे हैं।

सरकार का दावा– यूपी के किसान नेता हमारे साथ

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मंगलवार को कहा, उत्तर प्रदेश के कुछ किसान नेता मुझसे मिले। उन्होंने नए कृषि कानूनों को लेकर सरकार का समर्थन किया है। उनका कहना है कि कानूनों में बदलाव नहीं होने चाहिए।

करीमा बलूच की मौत को पुलिस ने बताया गैर–आपराधिक घटना

सोशल मीडिया पर खड़े हुए जांच पर सवाल

टोरेंटो,(एजेंसी)। बलूचिस्तान की युवा मानवाधिकार कार्यकर्ता करीमा बलूच की मौत को टोरंटो पुलिस ने मंगलवार गैर–आपराधिक घटना करार दिया है। पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि जांच में किसी भी तरह की ऐसे सबूत नहीं मिले हैं, जिससे मौत पर शक किया जाए। टोरेंटो पुलिस ने ट्वीट किया, ष्मौत की परिस्थितियों की जांच की गई है और अधिकारियों ने इसे एक गैर–आपराधिक मौत के रूप में बताया है। संदेह करने के लिए कोई वजह नहीं मिली है। इस बारे में परिवार को भी जानकारी दे दी गई है। हालांकि, सोशल मीडिया पर टोरेंटो पुलिस की जांच पर सवाल खड़े होने लगे हैं। लोग पुलिस पर निशाना साध रहे हैं और कह रहे हैं कि मौत के तुरंत बाद कैसे किसी भी फैसले तक पहुंचा जा सकता है। पुलिस की यह जांच फर्जी है। एक ट्विटर यूजर ने लिखा, श्आखिर, कैसे मौत के कुछ ही घंटों में पुलिस ने फैसला सुना दिया? टोरेंटो पुलिस कैसे काम कर रही है। वहीं, एक अन्य यूजर ने टोरेंटो पुलिस की जांच को फर्जी बताते हुए उन पर आतंकवादियों के साथ खड़े होने का आरोप लगाया है। यूजर ने लिखा, श्दुनिया को धोखा मत दो। अपनी नकली जांच के अनुसार, आप आतंकवादियों के साथी लगते हैं। निर्मम हत्या के मामले में आपके भी शामिल होने की आशंका है। आपने जो महान नेता के साथ किया, उसका भुगतान आपको करना पड़ेगा। झील के किनारे मिला था बलूच का शव करीमा बलूच कनाडा के टोरंटो शहर में एक झील किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिली थीं। करीमा 2016 में उस वक्त सुर्खियों में आई थीं, जब उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए रक्षा बंधन पर एक वीडियो संदेश रिकॉर्ड किया था। इसमें कहा था कि हम आपको हमारा भाई मानते हैं। साथ ही बलूचिस्तान में युद्ध अपराधों के प्रति आवाज उठाने की विनती की थी। वह रविवार दोपहर करीब तीन बजे संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थीं। टोरंटो पुलिस ने बलूच कार्यकर्ता को ढूंढने में जनता से मदद मांगी थी। इस बीच उनका शव टोरंटो के पास एक झील के किनारे बरामद हुआ। उनके पति हम्माल हैदर और भाई ने शिव की शिनाख्त की है।

किसान दिवस पर उत्सव मनाने के बजाय प्रदर्शन करने को मजबूर कृषकः अखिलेश

लखनऊ,(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि देश के इतिहास में एक ऐसा श्किसान दिवसश आया है जब देश का कृषक

उत्सव मनाने की जगह सड़कों पर संघर्ष करने को मजबूर है। अखिलेश ने एक ट्वीट कर पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर उन्हें नमन किया। अखिलेश ने नए कृषि कानूनों के खिलाफ जारी किसानों के प्रदर्शन की तरफ इशारा किया और चरण सिंह की जयंती पर मनाए जाने वाले श्किसान दिवस का जिक्र करते हुए।

यूपी कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक आज, 28 को आ सकती हैं प्रियंका वाड्रा

लखनऊ ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस संगठन को लेकर इन दिनों चिंता के साथ आत्मचिंतन के मूड में भी नजर आ रही है। चुनावों में मिली लगातार हार के बाद संगठन सृजन पर मेहनत की जा रही है। इसी बीच पार्टी 28 दिसंबर को प्रदेश के हर गांव में स्थापना दिवस समारोह मनाकर गांव–गांव संगठन की टोह लेना चाहती है। इसकी समीक्षा गुरुवार को प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में होगी। यदि हर गांव में आयोजन की स्थिति न बनी तो 28 को कांग्रेस महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका वाड्रा आएंगी और फिर प्रदेश कांग्रेस में कई बदलाव संभावित हैं। संगठन सृजन अभियान के तहत ही कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा ने निर्देश दिया था कि इस तरह से मेहनत की जाए कि प्रदेश के हर गांव में हमारे कार्यकर्ता हों। जब भी किसी आंदोलन–अभियान की जरूरत हो तो उनके सहारे हम हर गांव को जोड़ सकें। संगठन के काम में लगे पदाधिकारी दावा कर ही रहे हैं कि लगातार काम हो रहा है? और निचले स्तर तक टीम बना दी गई है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इसी भरोसे पर प्रियंका वाड्रा ने कहा है कि बेहतर हो कि इस बार 28 दिसंबर को पार्टी के स्थापना दिवस पर हर गांव में कांग्रेस का झंडा फहराया जाए।

बुनकरों के कल्याण हेतु प्रतिबद्ध सरकार, अर्थव्यवस्था में हथकरघा उद्योग का महत्वपूर्ण स्थान

अमित रेखा – निखिल कुमार कुशवाहा/स्वतंत्र

कसया – कुशीनगर। उत्तर प्रदेश में खेती के बाद अर्थव्यवस्था में हथकरघा उद्योग का महत्वपूर्ण स्थान है। हथकरघा क्षेत्र रोजगार और उत्पादन की दृष्टि से उत्तर प्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है। आधुनिक तकनीक और डिजाइन विकास ने इस उद्योग को एक नई पहचान दिलाने में सराहनीय और प्रमुख भूमिका निभाई है। देश में कुल बुनकरों की संख्या में से एक चौथाई बुनकर उत्तर प्रदेश में है, जो प्रदेश की जनता की वस्त्र आवश्यकता में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। अत्यधिक प्रतिस्पर्द्धा वाले बाजार की परिस्थितियों और हथकरघा एवं पावरलूम से अपनी आजीविका का संचालन करने वाले बुनकरों के व्यवसाय को बेहतर बनाने हेतु अनेक कल्याणकारी कदम सरकार ने उठाये हैं। अनुकूल वातावरण सृजित किया गया है। गरीब बुनकरों के हालातों को सुधारने के लिये अनेक प्रभावी निर्णय लिये गये हैं, जिससे बिचौलिए बुनकरों का शोषण न कर पायें और उन्हें उनके उत्पाद का उचित मूल्य मिल सके। बुनकरों को आर्थिक सहायता, कच्चे माल की सहज उपलब्धता, प्रबंधकीय एवं प्रशिक्षण की मदद, कार्यशालाओं का निर्माण, डाई एवं प्रोसेसिंग विपणन एवं ई–मार्केटिंग आदि की सुविधा उपलब्ध कराने की सुचारू व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुनकरों के हितार्थ और उनके प्रति संवेदनशीलता का रूख अपनाते हुये बुनकरों की आर्थिक व सामाजिक हालातों में पर्याप्त सुधार लाने हेतु कई महत्वाकांक्षी कार्यक्रम प्रारम्भ किये, जिसके फलस्वरूप हथकरघा उद्योग न केवल गरीब जनता की आवश्यकताओं को ही पूरी कर रहा है, बल्कि उच्च एवं गणमान्यवर्ग की अभिरूचि सहित अन्तर्राष्ट्रीय बाजार तक अपनी साख स्थापित किए हुए हैं। वाराणसी की साड़ियां, जामदानी, जामावर, ब्रोकेड, तनछुई, जगलां एवं बूटीदार की परम्परागत बुनाई शैली, कानपुर के रेडीमेड वस्त्र, गोरखपुर, मेरठ व अमरोहा के बेडशीट व बेडकवर, सीतापुर, भदोही, मिर्जापुर एवं आगरा की ऊनी एवं सूती दरियां, अलीगढ़ के दरेट, बाराबंकी का स्टोल व मऊरानीपुर की शर्टिंग, मेरठ व टांडा की लुंगी, मऊ व आजमगढ़ की साड़ियां व ड्रेस मैटेरियल के कपड़े बुनाई शैली की विविधता एवं उत्कृष्टता के बेजोड़ उदाहरण हथकरघा क्षेत्र के हैं। हथकरघा विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत कई योजनायें प्रदेश में संचालित की जा रही हैं। इनमें क्लस्टर विकास कार्यक्रम, विपणन प्रोत्साहन, हथकरघा विपणन सहायता, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, महात्मा गांधी बुनकर बीमा योजना, पावरलूम कामगारों के लिये समूह बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री हथकरघा बुनकर मुद्रा योजना प्रमुख हैं। राज्य सेक्टर की योजनाओं के अन्तर्गत हथकरघा क्षेत्र में प्रशिक्षणार्थियों को सहायता, पावरलूम, हथकरघा बुनकरों एवं धुनकरों को विद्युत दर में छूट की प्रतिपूर्ति, पावरलूम क्षेत्र का विकास, बुनकरों को विद्युत आपूर्ति हेतु इनडिपेन्डेंट फीडर की व्यवस्था अन्य वित्तीय प्रोत्साहन एवं बुनाई विषय से इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण छात्रों को छात्रवृत्ति, बुनाई विषय में इण्टरमीडिएट कालेजों को अनुदान, हथकरघा बुनकरों के सहायक कर्मियों को मानदेय, हथकरघा क्लस्टरों को अतिरिक्त अनुदान, देश एवं विदेश के बड़े शहरों में हथकरघा प्रदर्शनियों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता जैसी महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। बुनकरों की माली स्थिति को दृष्टिगत रखते हुये तथा कोरोना महामारी से हथकरघा एवं पावरलूम बुनकरों/धुनकरों का कारोबार काफी प्रभावित होने से उन्हें सरकार ने विद्युत दर में छूट की प्रतिपूर्ति की सुविधा प्रदान की है। इसी प्रकार पावरलूम बुनकरों को फ्लैट रेट पर बिजली देने का फैसला किया गया है। हथकरघा बुनकरों को विद्युत दर में छूट की प्रतिपूर्ति हेतु वर्ष 2020–21 में पांच करोड़ रू0 तथा धुनकरों को विद्युत दर में छूट हेतु प्रतिपूर्ति के लिये एक करोड़ रू0 का प्राविधान किया गया है। पावरलूम बुनकरों को विद्युत दर में छूट हेतु रू0 150 करोड़ का बजट प्राविधान किया गया है। केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा भारतीय हथकरघा प्रौद्यौगिकी संस्थान वाराणसी में त्रिवर्षीय डिप्लोमा कोर्स के प्रशिक्षणार्थियों के लिये छात्रवृत्ति के रूप में आर्थिक सहायता दी जाती है। इस वर्ष बजट में 7.19 लाख रूपये का प्राविधान किया गया है। परम्परागत पावरलूम उद्योग को आधुनिक एवं उच्चीकृत पावरलूम में परिवर्तित कर अनुसूचित जाति/जनजाति के पावरलूम बुनकरों के जीवन स्तर में सुधार लाने के कदम उठाये गये हैं। एस0सी0/एस0टी0 के बुनकरों को आधुनिक तकनीक प्रशिक्षण, कार्यशाला का निर्माण, उच्चीकृत पावरलूम की स्थापना के माध्यम से लाभान्वित किया जाता है। इस योजना में 155 लाख रू0 से 50 इकाइयों के 200 पावरलूम बुनकरों को लाभान्वित किया गया है। पावरलूम बाहुल्य क्षेत्रों में उत्पादन कार्य में कमी न होने पाये और विद्युत आपूर्ति अनवरत बनी रहे, इस हेतु बुनकरों को विद्युत आपूर्ति के लिये इन्डेपेंडेंट फीडर की व्यवस्था की गई है। मऊ, लखनऊ, अयोध्या, मुरादाबाद, इलाहाबाद एवं कानपुर सहित कुल 11 विद्युत फीडर पहले ही स्थापित किये जा चुके है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में बुनकरों को विद्युत आपूर्ति हेतु इन्डेपेन्डेंट फीडर की व्यवस्था के तहत 1.10 करोड़ रू0 का प्राविधान किया गया है। इस धनराशि से संत कबीर नगर जनपद में स्वतंत्र विद्युत फीडर स्थापित कर 6000 पावरलूम बुनकरों को लाभान्वित करने की योजना है। हथकरघा बुनकरों को प्रोत्साहित करने एवं उनमें प्रतिस्पर्द्धा लाने तथा उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित करना है।

राष्ट्रीय स्नातक महासंघ ने चुनाव को देखते हुए अपने संगठन का किया विस्तार

अमित रेखा –उमर फारूक उर्फ छोटे अंसारी

गोबरही – कुशीनगर

आगामी स्नातक चुनाव को देखते हुए राष्ट्रीय स्नातक महासंघ ने अपने संगठन का विस्तार करना शुरू कर दिया है।जिसके तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश पांडेय के अनुमोदन से प्रदेश अध्यक्ष संतोष सिंह व प्रदेश संगठन मंत्री हिमांशु गोयल ने कुशीनगर जिले के राजेश कुमार शुक्ल को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है।नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ल ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताया कि राष्ट्रीय स्नातक महासंघ बेरोजगार स्नातकों व शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने व उन्हें राजनीति की मुख्यधारा में लाने का काम करेगा।संगठन के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो भी जिम्मेदारी दी है उस जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन करूंगा।प्रदेश अध्यक्ष संतोष सिंह ने कहा कि राजेश शुक्ल के निस्वार्थ राष्ट्र हित और समाज हित में किए गए कार्य को देखते हुए इस पद पर इन्हें मनोनीत किया जाता है। इनसे उम्मीद किया जाता है की यह संगठन का विस्तार वह सामाजिक समरसता बनाने में मिसाल कायम करेंगे।अनिल तिवारी,राजेश तिवारी,संजय यादव,अविनाश शुक्ला,अमिताभ पटेल, श्रीधर पाण्डेय,सुनील सिंह, दिलीप पाण्डेय,संदीप राय, अमिताभ त्रिपाठी,राकेश मणि तिवारी,महेश कर्णधार, नागेंद्र तिवारी,दिलीप सिंह, हरेंद्र चौरसिया,राम मिलन यादव आदि ने बधाई दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुन्देलखण्ड की लम्बित बांध परियोजनाओं को पूरा कराकर किसानो को दी सिंचाई सुविधा की सौगात

अमित रेखा – निखिल कुमार कुशवाहा/स्वतंत्र

कसया – कुशीनगर। उत्तर प्रदेश का बुन्देलखण्ड एक ऐसा क्षेत्र रहा है जहॉ ज्यादातर वर्षा पर किसानो की खेती निर्भर रहती थी। पठारी क्षेत्र होने के कारण भूमिगत जल नहीं मिल पाता है। इससे किसान नहरों, तालाबो, कुओं के जल से सिंचाई करते हैं। जिन क्षेत्रों में नलकूपों की बोरिंग हो सकती है, वहॉ सरकार द्वारा नलकूप भी लगवाये गये हैं। प्रदेश सरकार का ध्येय है कि किसानों की आमदनी बढ़े। किसानों की आमदनी तभी बढ़ेगी जब उनके उत्पादन में बढ़ोत्तरी हो। फसल की उत्पादन बढ़ोत्तरी तभी होती है, जब किसानो को उर्वरक सहित सिंचाई के साधन उपलब्ध हों। सिंचाई ही फसल उत्पादन का मुख्य आधार होता है। इसीलिए प्रदेश सरकार किसानो को फसल की सिंचाई पर जोर देते हुए प्रदेश में नहरो, बॉधो के निर्माण पर विशेष बल दिया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बुन्देलखण्ड क्षेत्र के किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की विशेष व्यवस्था की है। बुन्देलखण्ड क्षेत्र में गत कई वर्षो से लम्बित बॉध परियोजनाओ को शीघ्र पूर्ण कराने के लिए मुख्यमंत्री जी ने प्राथमिकता देते हुए आवश्यक धनराशि देकर कार्य में तेजी लाई। सिंचाई विभाग द्वारा बनाये जा रहे बॉध परियोजनाओ को गति प्रदान करते हुए पूर्ण कराया गया। प्रदेश सरकार ने किसानो की वर्षो की अभिलाषा पूर्ण की है। प्रदेश सरकार ने बुन्देलखण्ड में लगभग 1100 करोड रू0 की लागत से 9 लम्बित परियोजनाओं को पूर्ण करते हुए लगभग 80 हजार हेक्टेयर पर भूमि की अतिरिक्त सिंचन क्षमता बढ़ाते हुए 70 हजार से अधिक किसानों को फसलों का उत्पादन बढ़ाने हेतु सिंचाई सुविधा मुहैया कराई है। वर्ष 2018 व 2019 में पूर्ण हुए इन बॉधो से नहरो के माध्यम से आज किसानों के खेत तक पानी पहुँच रहा है और किसान अपनी खेती में हर तरह की फसल बोकर उत्पादन करते हुए अपनी आर्थिक वृद्दि कर रहे हैं। सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के अपने लक्ष्य में सफल हो रही है। बुन्देलखण्ड में वर्तमान सरकार द्वारा पूरे किये गये 09 बांध सिंचाई परियोजनाएं इस प्रकार हैं– पहाड़ी बाँध परियोजना:– वर्ष 2008–09 में जनपद झाँसी में 76.67 करोड़ रू0 की मूल लागत से निर्माण शुरू किये गये इस बाँधा कों वर्तमान सरकार ने 354.20 करोड़ रू0 की वास्तविक धनराशि व्यय करते हुए वर्ष2018 में पूर्णकर लिया। इस परियोजना से झाँसी जनपद के 6600 कृषको की 14575 हे0 भूमि की सिंचन क्षमता का सृजन हुआ है। जमरार बाँध परियोजनारू– जनपद ललितपुर में वर्ष 2008–09 में 66.23 करोड़ रू0 की मूल लागत से शुरू हुए जमरारबाँध परियोजना को वर्तमान सरकार ने 326.10 करोड़ रू0 की वास्तविक लागत में वर्ष 2018 में पूर्ण कर लिया। इस बाँध के पूर्ण हो जाने से ललितपुर के मड़ावरा तहसील में 3141हे0 भूमि के सिंचन की क्षमता बढ़ी और 2145 किसान लाभान्वित हो रहे है। पहूँज बाँध पुनरोद्वार परियोजना:–जनपद झाँसी के पहूँज बाँध के पुनरोद्धार का कार्य वर्ष 2009–10 में 63.53 करोड़ रू0 की लागत से शुरू हुआ था जिसका कार्यअधूरा रहने पर वर्तमान सरकार ने 106.84 करोड़ रू0 की धनराशि व्यय करते हुए वर्ष 2018 में निर्माण पूर्णकराया। इस कार्य के पूर्ण हो जाने से जनपद झाँसी के 3368 किसान अपनी 5000 हे0 से अधिक भूमिं का सिंचन करतें हुए फसलोंत्पादन कर रहे है। गुण्टा बाँध रिस्टोरेशन/रिनोवेशन आफ एलाइज वर्क परियोजना:– बुन्देलखण्ड के जनपद चित्रकूट में गुण्टा बाँध में रिस्टोरेशन के कार्य के लिए वर्ष 2008–09 में 3.76 करोड़ की लागत से कार्य शुरू हुआ था किन्तु कार्य पूर्ण न होने से किसानो को फायदा नहीं मिला।

वर्तमान सरकार ने इस बाँधा के कार्य को 2018 में पूर्ण कराते हुए जनपद चित्रकुट के 17595 किसानों की 3880 हे0 भूमि का अतिरिक्त सिंचन क्षमता बढ़ाते हुए उन्हें लाभान्वित कर रही है। पं0 दीनदयाल उपाध्याय पथरई बाँध परियोजनारू– जनपद झाँसी में वर्ष 1982–83 में 3.21 करोड़ रू0 की लागत से निर्माण कार्य शुरू की गई यह परियोजना लम्बे वर्षो तक लम्बित रही । प्रदेश के मुख्यमंत्री जी ने इस परियोजना के लिए आवश्यक धनराशि 79.83 करोड़ रू0 आवंटित करते हुए वर्ष 2018में पूर्ण कराया। इस बाँध परियोजना से झाँसी के 2998 हे0 भूमि की सिंचन क्षमता में बढ़ोतरी हुई और 4637 किसान लाभान्वित हो रहें हैं। लहचूरा बाँध परियोजनारू– जनपद महोबा में किसानो को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए वर्ष 2016–17 में 19. 30 करोड़ रू0 की लागत से शुरू किये गये।

लूट की बोलेरो वाहन, चोरी की तीन अदद मोटर साईकिल व दो अदद अवैध तमन्चे के साथ तीन शातिर लूटेरे गिरफ्तार

अमित रेखा – निखिल कुमार कुशवाहा/स्वतंत्र

कसया – कुशीनगर। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक 22.12.2020 को स्वाट व थाना कसया की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा' छभ्28 विशुनपुरा तिराहा के पास से थाना कसया क्षेत्रान्तर्गत विगत दिनांक 10.12.2020 को लूटी गयी बोलेरो न0 UP61Z5132 (मु0अ0सं0 –889/2020 धारा 394/411 भादवि) एक अदद प्लेटिना मो0सा0 UP57P6569 (मु0अ0सं0 –31/2020 धारा 379/411 दि0 घ0 21.01.2020) व हीरो होण्डा स्पेलेण्डर UP57H7240 (मु0अ0सं0– 813/2020 धारा 379/411 भादवि दि0 घ0 16.11.2020) व एक अदद आरटीआर बाईक जिसका इजन न0 चेचिस न0 घिसा हुआ है तथा दो अदद अवैध कट्टा व दो अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर के साथ अभियुक्तगण 1.अमीर हम्जा पुत्र स्व0 शादिर सा0 सम्दार खुर्द थाना पिपराईच गोरखपुर 2. अशरफ अंसारी पुत्र नाजिर अंसारी सा0 ढाढा बुजुर्ग थाना को0 हाटा कुशीनगर 3.शंखकेश्वर गुप्ता उर्फ गोलू पुत्र राहुल गुप्ता सा0 मेहदावल उत्तरी पट्टी थाना मेहदवाल जनपद संतकबीरनगर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गयी है। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0स0 894/2020 धारा 41/411/419/420/467/468/471 भादवि, मु0अ0स0 895/2020 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट बनाम अशरफ व मु0अ0स0 896/2020 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट बनाम शंखकेश्वर गुप्ता के विरुध्द पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गला काटकर की थी पति की हत्या पत्नी व प्रेमी तो मिली उम्रकैद की सजा

'अमित रेखा गोरखपुर'

जिला एवं सत्र न्यायालय के अपर सत्र न्यायाधीश विष्णु प्रसाद अग्रवाल ने पति की हत्या का जुर्म सिद्ध पाए जाने पर पत्नी मुन्नी देवी और उसके प्रेमी संजय मौर्या को उम्रकैद की सजा सुनाई है। गोरखपुर जिले के पिपराइच के उनौला अव्वल टोला डिहवापार निवासी मुन्नी और उसके प्रेमी संजय पर अदालत ने 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना न अदा करने पर अभियुक्तों को तीन महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता बृजेश सिंह का कहना था कि पिपराइच के उनौला टोला डिहवापार निवासी सुमन का बेटा लालू साहनी महराजगंज में सोनपापड़ी बनाने व बेचने का काम करता था। इस बीच लालू साहनी की पत्नी मुन्नी देवी की मित्रता संजय मौर्या से हो गई। इस कारण पति–पत्नी में विवाद होने लगा। कामकाज निपटाकर जब भी लालू घर आता तब मुन्नी झगड़ने लगती थी। एक बार झगड़ा हुआ तो लालू 12–13 दिन काम नहीं किया। इस बीच 13–14 सितंबर 2015 की रात लालू की गला काटकर हत्या कर दी गई। इसकी जानकारी सुमन ने ही पुलिस को दी और मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमे में मुन्नी व उसके प्रेमी संजय मौर्या पर संदेह जताया गया था। पुलिस ने मामले की विवेचना की और साक्ष्यों के साथ चार्जशीट दाखिल की। इसी मामले की सुनवाई मंगलवार को अपर सत्र न्यायाधीश ने की और साक्ष्यों के आधार पर दोनों को उम्रकैद की सजा सुनाई।

एन बी एफ जी आर के वैज्ञानिक कुशीनगर पहुंचे, मछली की कृत्रिम ब्रीडिंग पर करेंगे शोध

अमित रेखा – रामनरायन चौहान

धरनींपट्टी,छितौनी – कुशीनगर लखनऊ के वैज्ञानिकों की टीम दूसरी बार खड्डा क्षेत्र के छितौनी बगहा पुल के नीचे सिर्फ नारायणी नदी में पायी जाने वाली चेपुआ मछली का सैम्पल लेने पहुंची। मोटर बोट से नारायणी नदी का भ्रमण कर जिंदा चेपुआ मछली का सैम्पल लिया। टीम ने इससे तीन दिन पहले पहुंच कर नारायणी नदी के जल का सैंपल लिया था। अब यहां की मछलियों के कृत्रिम ब्रीडिंग की संभावनाएं तलाशने को रिसर्च होगा। कुशीनगर के खड्डा क्षेत्र के मदनपुर सुकरौली से लेकर छितौनी बगहा रेलपुल तक नारायणी नदी में ही सिर्फ चेपुआ मछली पायी जाती है। चेपुआ मछली का ग्लोबल पहचान दिलाने के लिए प्रयासरत विधायक जटाशंकर त्रिपाठी ने एनबीएफजीआर के निदेशक को पत्र लिख कर परीक्षण व कृत्रिम ब्रीडिंग की संभावनाएं तलाशने की मांग की थी। विधायक के प्रयास पर एनबीएफजीआर लखनऊ के वैज्ञानिकों की तीन सदस्यीय टीम चेपुआ मछली की सैंपलिंग करने खडडा क्षेत्र के छितौनी बगहा रेलपुल स्थित मां नारायणी कुम्भ स्थल पहुंची। सिर्फ नारायणी नदी में मिलने वाली चेपुआ मछली की मछुआरों से जानकारी ली। इसके बाद बीते 19 दिसंबर को वैज्ञानिकों की टीम नारायणी नदी के जल का सैम्पल लेने के बाद वापस लौट गयी। मंगलवार को दूसरी बार एनबीएफजीआर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. केडी जोशी, मुख्य तकनीकी अधिकारी डॉ.राजेश दयाल व डॉ. अजय कुमार जिंदा चेपुआ मछली का सैम्पल जुटाने छितौनी बगहा रेलपुल के पनियहवा घाट पहुंचे। टीम ने मोटरबोट से नारायणी नदी का भ्रमण कर चेपुआ मछली का सैम्पल इकट्ठा किया।

प्रधान वैज्ञानिक डॉ. केडी जोशी ने बताया कि टीम पहले नारायणी नदी के जल का सैम्पल लेकर उसकी खूबियों की स्थानीय लोगों से बातचीत कर जांच पडताल की। अब चेपुआ मछली का सैम्पल इकट्ठा किया जा रहा है। इसकी भी जांच की जायेगी कि चेपुआ मछली इतनी मिठी क्यों होती है और क्या कारण है कि सबसे ज्यादा खडडा क्षेत्र से होकर बहने वाले नारायणी नदी में ही मिलती है। वैज्ञानिकों की टीम पनियहवा चौराहे पर स्थित मछली के दुकानदारों से भी इसकी जानकारी हासिल की। इस दौरान सालिकपुर चौकी इंचार्ज अजय पटेल, संजय हमदर्द सहित आदि भी मौजूद रहे। वैज्ञानिकों ने बताया कि रिसर्च लंबा समय लेता है। एक साल या अधिक का समय लग सकता है। उम्मीद है कि इस बीच कृत्रिम ब्रीडिंग की संभावनाएं निकल आनी चाहिए।

अचानक लगी आग , झोपड़ी के साथ नई बाइक व साइकिल और चारा काटने वाली मशीन जलकर हुई राख

अमित रेखा– विनोद कुशवाहा

विशुनपुरा– कुशीनगर

विशुनपुरा विकासखंड के डिबनी गांव में आज सुबह करीब छरू बजे अचानक आग लगने से झोपड़ी में रखा सारा सामान

जलकर राख हो गया है। बता दें कि डिबनी गांव में हरेश राय के घर आज सुबह करीब छरूबजे अचानक आग लगने से करीब दो लाख का नुकसान हुआ है बहुत पहले से उनके घर उस झोपड़ी में रह रहे पॉवरियों की नई मोटरसाइकिल भी जली है जो करीब पन्द्रह दिन पहले बजाज एजेंसी से 110बब नई प्लेटिना बाइक खरीदी गई थी अभी उस बाइक की नंबर भी नहीं मिला है झोपड़ी में रखा और सामान बिस्तर चौकी साइकिल चारा काटने वाली मशीन व कुछ नगदी भी जला है अगल–बगल में और झोपड़ी न होने से और ग्रामीणों के काफी प्रयास सेआग पर काबू पा लिया गया है केवल वही झोपड़ी व उसमें रखा सारा सामान जलकर राख हुआ है।

किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह का पुर्व सांसद अखिलेश सिंह ने मनाया जन्म दिन

अमित रेखा सुनील पाण्डेय

ब्यूरो महराजगंज। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले के नौतनवा में समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद अखिलेश सिंह व पूर्व विधायक मुन्ना सिंह के नेतृत्व में आज किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह का जन्म दिन मनाया गया साथ ही देश में चल रहे किसान आन्दोलन को लेकर और बल देने की बात कहीं गई ।हर सम्भव किसानों के पक्ष में भी रहनी की बात कही गई वही इस मौके पर आदित्य प्रताप सिंह विनय सिंह सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

एयरपोर्ट अथॉरिटी के डायरेक्टर ए के द्विवेदी ने किया कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का निरीक्षण

– निरीक्षण के दौरान अधूरे कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने का दिया निर्देश

अमित रेखा – निखिल कुमार कुशवाहा/स्वतंत्र

कसया – कुशीनगर। कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का निरीक्षण किया एयरपोर्ट अथॉरिटी के डायरेक्टर ए के द्विवेदी और एयरपोर्ट अथॉरिटी के सीजीएम नारायण प्रताप कोरी संतोष मौर्य अमर सिंह नरेंद्र सिंहऔर बी सिंह ने सभी निर्माण कंपनियों के हो रहे कार्यों को जायजा लेते हुए जल्द से जल्द कार्य पूर्ण कराने के लिए बल दिया। इसी क्रम में वेस्टर्न आउटडोर स्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कार्यो को देखते हुए जल्द से जल्द कार्य को पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया वेस्टर्न आउटडोर स्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजमेंट डायरेक्टर राहुल शाह से बातचीत करने पर पता चला कि 70: कार्य पूर्ण है तथा सेफ्टी सौ पर्सेंट कार्य प्रगति पर है जिसमें बाउंड्री वाल टाइल्स ग्लास का कार्य बाकी है बाकी कार्य जोरों पर है साथी एयरपोर्ट डायरेक्टर एके द्विवेदी ने और भी निर्माण कंपनियों के कार्य को देखते हुए सभी को निर्देशित कर जल्द से जल्द कार्य पूरा कराने के लिए बल दिया एयरपोर्ट अथॉरिटी के डायरेक्टर से बातचीत करने पर उन्होंने बताया कि मार्च से अप्रैल तक डोमेस्टिक उड़ाने चालू हो सकती है इंटरनेशनल का कार्य भी जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाएगा इसी क्रम में वेस्टर्न आउटडोर स्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के एम डी दलेर माथुर से बातचीत करने पर उन्होंने बताया कि हमारा कार्य तेजी से चल रहा है और डे नाईट दोनो स्विफ्ट में कार्य हो रहा है जिससे कर जल्दी पूर्ण कर लिया जाएगा और कार्य को तेजी लाने के लिए सभी लोग पूरे जोर से कार्य में लगे हुए हैं।

इनमें उपस्थित हुए दिलेर माथुर एमडी वेस्टर्न आउटडोर स्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड राहुल शाह डायरेक्टर संजीव सिंह सिविल इंजीनियर जनार्दन पांडे मैकेनिकल इंजीनियर दिलीपऔर भी सभी वर्कर मौजूद रहे।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा, स्टीव स्मिथ कप्तानी के एकमात्र दावेदार नहीं

मेलबर्न। स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट के कप्तान के रूप में पुनरू नियुक्ति तय नहीं है और देश में क्रिकेट की संचालन संस्था क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) का मानना है कि 'कुछ शानदार युवा नेतृत्वकर्ता' सामने आ रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका में 2018 के गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण में भूमिका के कारण स्मिथ को कप्तानी से हटा दिया गया था और सीए ने टिम पेन को कप्तान नियुक्त किया था। हालांकि हाल में इस तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं कि स्मिथ को दोबारा कप्तान नियुक्त किया जा सकता है। इस संदर्भ में जब बोर्ड के नजरिये के बारे में पूछा गया तो सीए के चेयरमैन अर्ल एडिंग्स ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' से कहा, ''सबसे पहले तो हमारे पास मेग, आरोन और टिम के रूप में तीन शानदार कप्तान हैं। कुछ शानदार युवा नेतृत्वकर्ता सामने आ रहे हैं। इसलिए यह स्टीव के जिम्मेदारी संभालने से नहीं जुड़ा है, यह कुल मिलाकर सर्वश्रेष्ठ को जिम्मेदारी देने से जुड़ा है।'' उन्होंने कहा, ''स्टीव युवा हैं और जब वह जिम्मेदारी संभाल रहे थे तो अच्छे कप्तान थे। किसी भी उत्तराधिकारी के लिए योजना की जरूरत होती है। क्या विशिष्ट रूप से अगले कप्तान को लेकर एक बोर्ड के रूप में हमने बैठक की है? नहीं, ऐसा नहीं हुआ है।'' एडिंग्स ने कहा कि सीए ने पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न खिलाड़ियों को उप कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी है और जब पेन के उत्तराधिकारी को चुनने का समय आएगा तो हम चयनकर्ताओं की सिफारिश पर गौर करेंगे। पेन टेस्ट जबकि आरोन फिंच सीमित ओवरों के क्रिकेट में टीम की अगुआई प्रभावी तरीके से कर रहे हैं और ऐसे में सीए नए कप्तान को लेकर

इंतजार कर सकता है लेकिन खेल की संचालन संस्था ने पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी केविन रॉबर्ट्स के उत्तराधिकारी की तलाश की प्रक्रिया शुरू करनेकी योजना बनाई है। एडिंग्स ने कहा, ''इस समय निक हॉक्ले शानदार काम कर रहे हैं।

गौतम गंभीर ने टीम इंडिया को दी सलाह, बोले– रहाणे चौथे क्रम पर करें बल्लेबाजी

पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा कि मैं रहाणे को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखना चाहूंगा। वह अभी कप्तान है तो उसे आगे बढ़ कर टीम का नेतृत्व करना होगा।

नयी दिल्ली। पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय टीम को पांच गेंदबाजों के साथ मैदान में उतरना चाहिये और कप्तान अजिंक्य रहाणे को चौथे क्रम पर बल्लेबाजी के लिए आना चाहिये। भारतीय टीम को चार मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट में तीन दिनों के अंदर आठ विकेट की करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। एडीलेड में खेले गये इस दिन–रात्रि टेस्ट की दूसरी पारी में टीम टेस्ट के अपने न्यूनतम 36 रन पर ऑल आउट हो गयी। टीम के नियमित कप्तान कोहली के पितृत्व अवकाश पर जाने के बाद अब रहाणे यह भूमिका निभाएंगे। गंभीर ने 'स्टार स्पोर्ट्स' के कार्यक्रम 'क्रिकेट कनेक्टेड' में कहा, ''मैं रहाणे को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखना चाहूंगा। वह अभी कप्तान है तो उसे आगे बढ़ कर टीम का नेतृत्व करना होगा। ऐसे में रहाणे को विराट कोहली की जगह चौथे नंबर पर खेलना चाहिए।'' दो बार विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे बायें हाथ के इस पूर्व बल्लेबाज ने बॉक्सिंग डे टेस्ट (26 से 30 दिसंबर तक से मेलबर्न में) में लोकेश राहुल, ऋषभ पंत और शुभमन गिल को अंतिम 11 में शामिल करने की वकालत की। उन्होंने कहा, '' राहुल को पांचवें जबकि पंत को छठे क्रम पर बल्लेबाजी करना चाहिये। इसके बाद रविन्द्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन का नंबर आयेगा। मैं चाहता हूं कि टीम में पांच गेंदबाज रहे।'' उन्होंने पहले टेस्ट में सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव को मौका देने का समर्थन करते हुए कहा, '' मैं चाहता था कि पहले टेस्ट में साव खेले क्योकि अगर किसी खिलाड़ी ने चार टेस्ट मैच में एक शतक लगाया और दो अर्धशतक लगाया है तो आप उससे श्रृंखला शुरु करना चाहेंगे।

कोरोना काल में पार्टी करना सुरेश रैना को पड़ा भारी, अरेस्ट के बाद जमानत पर हुए रिहा

मुंबई। सुरेश रैना को यहां एक क्लब में कोविड–19 से जुडे सामाजिक दूरी और दूसरे नियमों के उल्लंघन के साथ हो रही पार्टी में शामिल होने पर मुंबई पुलिस के द्वारा गिरफ्तार करने के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया। इस पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने 'अनजाने' में हुई इस 'दुर्भाग्यपूर्ण' घटना पर अफसोस जताया जिसमें उनके साथ 34 और लोग पकड़े गये थे। पूर्व बल्लेबाज की प्रबंधन टीम द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि 34 साल के रैना को घटना के वक्त स्थानीय समय सीमा (क्लब खुला रहने की) और दूसरे नियमों की जानकारी नहीं थी। बयान के मुताबिक, '' सुरेश एक शूट के लिए मुंबई में थे, जो देर तक चला था। उनके एक मित्र ने उन्हें दिल्ली रवाना होने से पहले रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किया था। उन्हें स्थानीय समय सीमा और नियमों की जानकारी नहीं थी।'' उन्होंने कहा, '' इस बारे में बताये जाने के बाद उन्होंने (रैना) तुरंत अधिकारियों द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं का अनुपालन किया और अनजाने में हुई इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर अफसोस जताया।'' बयान में कहा गया , '' वह (रैना) हमेशा पूरे सम्मान के साथ नियम और कानून का पालन करते है और भविष्य में भी ऐसा करना जारी रखेंगे।'' इससे पहले पुलिस ने मंगलवार को मुंबई हवाई अड्डे के पास एक क्लब पर छापेमारी की और कोविड–19 के नियमों के उल्लंघन के आरोप में रैना और बॉलीवुड हस्ती सुजैन खान समेत 34 लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया कि मुंबई हवाई अड्डे के पास ड्रैगनफ्लाय एक्सपीरियंस क्लब में छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए लोगों में 13 महिलाएं और क्लब के सात कर्मचारी भी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि महिलाओं को नोटिस थमाने के बाद छोड़ दिया गया जबकि पुरुषों को गिरफ्तार किया गया और बाद में उन्हें जमानत मिल गयी।

बाजार संभला, सेंसेक्स 453 अंक मजबूत

मुंबई। यूरोपीय बाजारों से मिले सकारात्मक रुख के बीच बीएसई सेंसेक्स में मंगलवार को तेजी लौटी और यह 453 अंक उछलकर बंद हुआ। सूचना प्रौद्योगिकी और बैंक शेयरों में मजबूत सुधार का बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स उतार–चढ़ाव भरे कारोबार में 452.73 अंक यानी 0.99 प्रतिशत मजबूत होकर 46,006.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसमें 968 अंक का उतार–चढ़ाव आया। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 137.90 अंक यानी 1.03 प्रतिशत मजबूत होकर 13,466.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में एचसीएल टेक रही। इसमें करीब 5 प्रतिशत की तेजी आयी। इसके अलावा टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, पावरग्रिड, सन फार्मा, एल एंड टी और नेस्ले इंडिया में भी तेजी रही। दूसरी तरफ, कोटक बैंक, एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस और इंडसइंड बैंक में गिरावट का रुख रहा। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति मामलों के प्रमुख विनोद मोदी ने कहा कि उतार–चढ़ाव भरे कारोबार में घरेलू बाजार में तेजी आयी। मुख्य कारण आईटी शेयरों में लिवाली थी। उन्होंने कहा कि निवेशक एक बार फिर सुरक्षित कंपनियों के शेयरों में निवेश पर गौर कर रहे हैं जो महामारी की स्थिति में मजबूत रहे हैं। इस हिसाब से आईटी, दवा, दूरसंचार और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों पर जोर रहा। मोदी ने कहा, ''हालांकि नये कोरोनो वायरस (स्ट्रेन) की खबर वैश्विक स्तर पर बाजारों के लिये अच्छा नहीं है, लेकिन भारत अन्य देशों के मुकाबले बेहतर स्थिति में दिख रहा है। आने वाले दिनों में बाजार में उतार–चढ़ाव रह सकता है। यह स्थिति तबतक रह सकती है जबतक नये कोरोना वायरस को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होती तथा टीकाकरण की प्रभावित की बात सामने नहीं आती।'' जर्मनी की दवा कंपनी बॉयो–एन–टेक ने कहा कि उसे उम्मीद है कि उसका टीका नये वायरस के खिलाफ प्रभावी होगा। इससे यूरोपीय बाजारों में अच्छी तेजी आयी।

डालर के मुकाबले रुपया पांच पैसे गिरकर 73.84 रुपये पर बंद

मुंबई। अंतर बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को अमेरिकी डालर के मुकाबले रुपया कारोबार की समाप्ति पर पांच पैसे नीचे 73.84 रुपये (अस्थाई) प्रति डालर पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजारों में सुधार आने के बाद रुपये की स्थिति में भी शुरुआती गिरावट के बाद कुछ सुधार हुआ। कारोबार की शुरुआत में डालर के मुकाबले रुपया 73.95 रुपये प्रति डालर पर बोला गया। इसके बाद दिन में कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 73.82 रुपये और नीचे में 73.95 रुपये प्रति डालर के दायरे में रहा। अंत में यह 73.84 रुपये प्रति डालर पर बंद हुआ। यह विनिमय दर पिछले दिन के बंद भाव के मुकाबले पांच पैसे नीचे रही। इससे पहले सोमवार को अमेरिकी डालर के मुकाबले रुपया 23 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ दो सप्ताह के निम्न सतर 73.79 रुपये प्रति डालर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के समक्ष उालर की स्थिति को बताने वाला डालर इंडेक्स 0.29 प्रतिशत बढ़कर 90.30 पर रहा। योरखान बाय बीएनपी पारिबा के शोध विश्लेषक सैफ मुकादम ने कहा, ''ब्रिटेन में कोरोना वायरस का नया रूप सामने आने के बाद बाजार धारणा बुरी तरह प्रभावित हुई। कारोबारियों को आशंका है कि ब्रिटेन में नया कोरोना वायरस सामने आने के बाद यात्रा प्रतिबंध लगेंगे जिससे कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में आ रहा सुधार प्रभावित होगा। इसे देखते हुये अगले कुछ कार्यदिवसों के दौरान रुपया 73.40 से 74.25 रुपये प्रति डालर के दायरे में कारोबार कर सकता है।'' मुकादम ने कहा कि कारोबार की शुरुआत में डालर के मुकाबले रुपया काफी नीचे खुला, लेकिन उसके बाद इसमें सुधार आया और अंत में कारोबार की समाप्ति पर यह पांच पैसे नीचे रहकर बंद हुआ। अमेरिका में सांसदों ने 900 अरब डालर के कोरोनावायरस राहत पैकेज को मंजूरी दे दी। इसके साथ ही 1,400 अरब डालर के पूरे साल के खर्च बिल को भी पास कर दिया। यह बिल अगले साल सितंबर तक के लिये सरकार के खर्चों के लिये पारित किया गया है। ब्रिटेन और अमेरिका के बाद अब यूरोपीय संघ की दवा एजेंसी ने भी कहा है कि फाइजर– बायोएनटेक द्वारा विकसित टीका सुरक्षित है और यह कोविउ– 19 के खिलाफ प्रभीवी भी है। इसके साथ ही यूरोपीय संघ प्राधिकरणों के लिये भी टीके का इस्तेमाल करने का रास्ता खुल गया है। इस बीच वैश्विक बाजार में कच्चे तेल का ब्रेंट वायदा भाव 1.37 प्रतिशत घटकर 50.21 डालर प्रति बैरल पर बोला गया।

संक्षिप्त

भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट भी नहीं खेल सकेंगे डेविड वॉर्नर और सीन एबोट

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर और तेज गेंदबाज सीन एबोट चोट और कोरोना प्रोटोकॉल के कारण भारत के खिलाफ 26 दिसंबर से शुरू हो रहा दूसरा क्रिकेट टेस्ट भी नहीं खेल सकेंगे। वॉर्नर और एबोट अपनी अपनी चोटों के उपचार के लिये टीम के बायो बबल से बाहर थे। दोनों शनिवार को मेलबर्न पहुंचे हैं चूंकि सिडनी में कोरोना संक्रमण के नये मामले सामने आये हैं। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा ,'' कोई भी खिलाड़ी सिडनी में कोरोना 'हॉटस्पॉट' पर नहीं था लेकिन क्रिकेट आस्ट्रेलिया के जैव सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत वे बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिये टीम से नहीं जुड़ सकते हैं।'' इसमें कहा गया ,'' ये दोनों खिलाड़ी सिडनी से मेलबर्न आ गए हैं जहां रिहैबिलिटेशन जारी रखेंगे।'' वॉर्नर को वनडे श्रृंखला के दौरान ग्रोइन की चोट लगी थी और वह पहला टेस्ट भी नहीं खेल सके थे। वहीं एबोट चोट से उबर चुके हैं लेकिन पहले टेस्ट की टीम में जगह नहीं बना सके। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने कहा ,'' बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिये टीम में अतिरिक्त खिलाड़ी नहीं लिया जायेगा। तीसरे टेस्ट से पहले वॉर्नर और एबोट टीम से जुड़ेंगे।'' तीसरा टेस्ट सात जनवरी से होगा लेकिन इसका सिडनी में होना अभी तय नहीं है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद पाक गेंदबाज कोच वकार यूनिस लौटेंगे स्वदेश, जानिए कारण

नेपियर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को घोषणा की कि गेंदबाजी कोच वकार यूनिस न्यूजीलैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के बाद स्वदेश लौटेंगे जिससे कि अपने परिवार के साथ समय बिता सकें। यह 49 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए टीम से जुड़ेगा जिसका पहला टेस्ट 26 जनवरी से कराची में खेला जाएगा। पीसीबी ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''वकार ने टीम प्रबंधन से आग्रह किया था कि उन्हें अवकाश दिया जाए जिससे कि वह लाहौर में अपने परिवर के साथ अतिरिक्त वक्त बिता सकें। इसके बाद वह 17 जनवरी को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी लौटेंगे।'' पाकिस्तान को न्यूजीलैंड में पहला टेस्ट 26 दिसंबर से जबकि दूसरा टेस्ट दो जनवरी से क्रमशरू माउंट मोनगानुई और क्राइस्टचर्च में खेलना है। पाकिस्तान के मैनेजर मंसूर राणा ने कहा, ''इस बात पर ध्यान देते हुए कि वकार जून से अपने परिवार से नहीं मिले हैं और न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हमारी घरेलू श्रृंखला 14 फरवरी तक खत्म नहीं होगी.... हमने उन्हें जल्द स्वदेश लौटने की स्वीकृति दे दी है जिससे कि वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ अतिरिक्त समय बिता सकें।

सीबीएसई ने 8वीं से 10वीं कक्षा के छात्रों के लिये 'साइंस चौलेंज' शुरू किया

नयी दिल्ली। बच्चों में जिज्ञासा तथा उच्च स्तर की चिंतन क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने ऑनलाइन माध्यम से 'साइंस चौलेंज' की शुरूआत की है। सीबीएसई के एक अधिकारी ने बताया कि सीबीएसई साइंस चौलेंज दीक्षा पोर्टल और एप पर 11 जनवरी 2021 तक उपलब्ध रहेगा और इसमें 8वीं से 10वीं कक्षा के छात्र हिस्सा ले सकेंगे। छात्र अपने कम्प्यूटर या एंड्रायड मोबाइल फोन के जरिये दीक्षा एप के माध्यम से कोर्स के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और पहुंच स्थापित कर सकते हैं। क्विज में हिस्सा लेने के लिये उनके पास दीक्षा एप का अद्यतन संस्करण होना चाहिए। इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के इच्छुक छात्रों को दीक्षा एप पर अपना पंजीकरण करना होगा। छात्र अपने पंजीकृत ईमेल तथा पासवर्ड के जरिये ही इससे जुड़ सकते हैं। एक बार चौलेंज में शामिल होने के बाद छात्रों को सभी कार्यक्रमों में शामिल होने का मौका मिलेगा। सीबीएसई साइंस चौलेंज में शामिल होने वाले छात्रों को एक ऑनलाइन प्रमाणपत्र भी दिया जायेगा।

वैश्विश्क बाजारों की सुस्ती से सोना 243 रुपये, चांदी 216 रुपये गिरी

नयी दिल्ली। स्थानीय सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 243 रुपये गिरकर 49,653 रुपये प्रति दस ग्राम रह गया। वैश्विक बाजारों में दोनों किमती धातुओं में गिरावट का रुख रहने का असर यहां भी दिखाई दिया। इससे पहले सोमवार को सोने का भाव 49,896 रुपये प्रति दस ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी का भाव भी मंगलवार को 216 रुपये गिरकर 67,177 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। इससे पिछले दिन यह 67,393 रुपये प्रति किलो पर बंद हुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 1,868 डालर और चांदी 25.70 डालर प्रति ट्राय औंस पर बोले गये। एचडीएफसी सिक्यूरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, डालर सूचकांक मजबूत होने से सोने के दाम में गिरावट रही।'' मोतिलाल ओसवाल फाइनेंसिय सर्विर्सिज के उपाध्यक्ष जिंस (शोध) नवनीत दमानी ने कहा, सुबह के कारोबारी सत्र में ऊंचे में बोले जाने के बाद सोने में कुछ बिकवाली का दबाव देखा गया। अमेरिकी कांग्रेस ने लंबे समय से प्रतीक्षा किये जा रहे 900 अरब डालर के कोरोना वायरस सहायता पैकेज को मंजूरी दे दी। इससे सोने को समर्थन मिला लेकिन मजबूत होते डालर से मजबूती का रास्ता बाधित हुआ। इसके साथ ही मुनाफा वसूली की वजह से धारणा प्रभावित हुई।

हिंदुस्तान फूड्स उत्तर भारत में 125 करोड़ रुपये के निवेश से लगाएगी विनिर्माण कारखाना

नयी दिल्ली। तेल, चाय, कॉफी जैसे दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली हिंदुस्तान फूड्स ने मंगलवार को कहा कि उसकी अनुषंगी इकाई उत्तर भारत में विनिर्माण संयंत्र लगाने में 125 करोड़ रुपये निवेश करेगी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021–22 तक अपनी आय दोगुना करने का लक्ष्य रखा है।

सम्पादकीय.....

बौद्ध साहित्य का संग्रहण

माहात्मा बुद्ध की शिक्षाओं और संदेशों ने सदियों से मानवता का मार्गदर्शन किया है. उनकी प्रासंगिकता निरंतर बढ़ती गयी है. बौद्ध दर्शन और साहित्य को संग्रहित करने और संजोने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पुस्तकालय बनाने का प्रस्ताव रखा है. पारंपरिक बौद्ध साहित्य और शास्त्रों को सहेजने के साथ यह पुस्तकालय शोध और संवाद का भी केंद्र होगा. प्रधानमंत्री के प्रस्ताव के अनुसार इस संस्थान का प्रमुख उद्देश्य यह अध्ययन करना भी होगा कि आधुनिक विश्व की समकालीन चुनौतियों के संदर्भ में बुद्ध के संदेश कैसे हमारा पथ–प्रदर्शन कर सकते हैं. भारत सरकार लंबे समय से बौद्ध दर्शन और संदेश के संग्रहण और उनके वैश्विक प्रसार की दिशा में प्रयासरत है. फरवरी, 2003 में केंद्र सरकार ने पांडुलिपियों के लिए राष्ट्रीय मिशन की शुरुआत की थी. इसके तहत विभिन्न धर्मों और दर्शन परंपराओं के प्राचीन व दुर्लभ ग्रंथों को जमा करने, अनुदित करने तथा उनका डिजिटल रूपांतरण की महत्वाकांक्षी योजना पर काम चल रहा है. मिशन ने भारत में बौद्ध साहित्य की विरासत के संदर्भ में महत्वपूर्ण कार्य किया है. प्रधानमंत्री मोदी ने पुस्तकालय में विश्व में अन्यत्र उपलब्ध सामग्रियों के डिजिटल संस्करणों को लाने का आह्वान किया है. इस कार्य के पूरा होने के बाद बौद्ध भिक्षु, आचार्य, धर्मावलंबी और अन्य शोधार्थी एक ही स्थान पर संपूर्ण साहित्य व शास्त्र को पढ़ने–समझने का कार्य कर सकेंगे. हमारा देश भले ही एक बौद्ध देश के रूप में चिन्हित न होता हो, लेकिन हमारे यहां बुद्ध की शिक्षाओं और बौद्ध दर्शन के गूढ़ अर्थों के साथ उनके नैतिक, सामाजिक व व्यक्तिगत महत्व पर हमेशा से विचार होता रहा है. यह हमारी शिक्षा व्यवस्था का विशिष्ट अंग है. विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र में इसकी पढ़ाई के साथ अनेक स्थानों पर बौद्ध अध्ययन के स्वतंत्र विभाग हैं तथा पुस्तकालयों में समुचित सामग्री उपलब्ध है. महात्मा बुद्ध के जीवन से जुड़ी पवित्र जगहों के विकास पर भी ध्यान दिया जाता है. इस कड़ी में एक वृहत पुस्तकालय का निर्माण महत्वपूर्ण परिघटना होगी. पड़ोस के कुछ देशों के साथ एशिया के कई देशों में बौद्ध धर्म के अनुयायियों की बड़ी संख्या वास करती है. बुद्ध के संदेश और बौद्ध दर्शन उनकी परंपरा और सभ्यता के सबसे विशेष तत्व हैं. उन देशों के साथ प्राचीन काल से भारत की जो निकटता रही है, उसमें यह पहलू अहम है कि महात्मा बुद्ध भारत के हैं. पुस्तकालय की स्थापना और शोध व संवाद को बढ़ावा देने से इन देशों के साथ हमारे संबंध और भी गहरे होंगे. जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने रेखांकित किया है, निर्धनता, नस्लभेद, अतिवाद, लैंगिक भेदभाव, जलवायु परिवर्तन आदि जैसी कई समस्याओं से जूझते विश्व के लिए महात्मा बुद्ध के संदेश समाधान पाने के कारगर उपाय प्रदान कर सकते हैं. हिंसा, अन्याय और विषमता से त्रस्त मानवता को बौद्ध दर्शन से राहत मिल सकती है. मनुष्यता के अच्छे भविष्य की राह में यह पुस्तकालय एक प्रकाश स्तंभ हो सकता है.

आज का राशिफल

मेष :– बुद्धिमत्ता द्वारा प्रत्येक दिशा में स्वयं को पारंगत सबित करेंगे। भौतिकता की लोलुपतावश दूसरों के चढ़ाने में आकर अपनी आर्थिक क्षति कर सकते हैं। जीवन साथी से कुछ मुद्दों पर वैचारिक मतभेद संभव।

बृषभ :– अपनी भावुकता पर नियंतण्ररखें। हर रिश्ते में अपने अनुकूल अपेक्षा रखना आपकी सबसे बड़ी मूर्खता है। माता के स्वास्थ के प्रति कुछ चिन्ताएं होंगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

मिथुन :– भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्मक विचार ला सकती हैं। कुछ अच्छे आसारों से मन प्रसन्न होगा। रोजगार में अच्छे लाभ के आसार बनेंगे। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

कर्क :– भौतिक–सुख साधन में व्यय के आसार हैं। रोजगार में अच्छी आशाएं प्रसन्नता लाएंगी किंतु पारिवारिक चिंताओं से मन ग्रसित होगा। आंतरिक प्रतिभाओं द्वारा सगे–संबंधों में प्रभावी बनेंगे।

सिंह :– घरेलू दायित्वों की पूर्ति हेतु सक्रियता से आपकी महत्ता बढ़ेगी। अंतमरुखी स्वभाव को त्याग बाह्यमुखी बने। पूजा–पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। कार्यक्षेत्र में ब्यस्तता बढ़ेगी। आलस्य त्यागें।

कन्या :– भौतिकता के आधार पर थोड़ा असंतोष हो सकता है। सगे–संबंधों में व्यवहार कुशल बने। कुछ नयी अभिलाषाएं आपको हतोत्साहित करेंगी। पारिवारिक वातावरण उत्साहित रहेगा।

तुला :– दुविधाओं को त्याग सही और स्वच्छ योजनाओं की ओर केंद्रित हों। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है किंतु भावनात्मक अपेक्षाएं कष्ट की जननी बनेंगी।

वृश्चिक :– निकट संबंधों में मधुर वाणी का प्रयोग करें। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। कार्यक्षेत्र में लोकप्रियता बढ़ेगी। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में लगेगा।

धनु :– दूसरों की सफलता से अपने अंदर हीन भावना न आने दें। बाहर की दुनिया में समय देने से अच्छा है कि थोड़ा घर में समय देने की चेष्ठा करें। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी।

मकर :– भावनाओं पर नियंतण्ररख दायित्वों के प्रति सजग हों। अच्छी योजनाओं द्वारा महत्वपूर्ण कायरें को समयानुकूल पूर्ण करने में सक्षम होंगे। धनागम के ने स्रेत बनेंगे। परिवार में खुशहाल स्थिति रहेगी।

कुंभ :– किसी महत्वपूर्ण दायित्व की कुशल पूर्ति हेतु समुचित साधन व्यवस्था के लिए मन चिंतित होगा। नौकरी–पेशे में अधिकारियो व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा।

मीन :– राजनीति से जुड़े लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी किंतु सामाजिक मर्यादा का ध्यान रखें।

नेपाल में संवैधानिक संकट

प्रो एसडी मुनि

उनके साथ ओली का अनुबंध था कि ढाई साल के बाद उन्हें प्रधानमंत्री बना देंगे. वे दो पद लिये हुए हैं. वे पार्टी के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री, दोनों हैं. वे इस बात पर राजी थे कि इनमें से एक को वे छोड़ देंगे. अब दोनों पदों में से वे न किसी एक को छोड़ रहे हैं और न ही प्रचंड को प्रधानमंत्री बनने दे रहे हैं. इन सब टकरावों के बाद उन्होंने एक ऐसा फैसला ले लिया है, जो संविधान के नियमों के बिल्कुल खिलाफ है. यह लोकतंत्र के लिहाज से गलत निर्णय है. नेपाल की संसद के निचले सदन को 'प्रतिनिधि सभा' कहा जाता है. वहां के संविधान की धारा–85 (1) और 76 (7) के अनुसार, सदन का कार्यकाल पांच वर्ष का होता है. संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि दो तिहाई बहुमत वाली सरकार में प्रधानमंत्री एकतरफा फैसला करके सदन को भंग कर दे।

नेपाल में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली द्वारा 275 सदस्यों वाले संसद के निचले सदन को भंग करने से नया संवैधानिक संकट उत्पन्न हो गया है. इस फैसले का उनकी पार्टी के भीतर और बाहर पुरजोर विरोध हो रहा है. प्रधानमंत्री ओली के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गयी है, वहां से क्या फैसला होता है, उसी पर आगे की राह टिकी है. अगर सुप्रीम कोर्ट प्रधानमंत्री ओली के फैसले को संविधान के दायरे में मानता है, तो आगे चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी और इसके बाद पार्टी में बिखराव भी होगा, यह तय है. अगर सुप्रीम कोर्ट इस फैसले को असंवैधानिक करार देता है, तो संसद को वापस आना पड़ेगा और फिर संसद अविश्वास प्रस्ताव पर विचार करेगी. नेपाल में सत्तारूढ़ दल नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी में केपी शर्मा ओली के खिलाफ कई नेता मुखर हैं. अपने समर्थन की जमीन को कमजोर पड़ता देख प्रधानमंत्री ओली ने यह फैसला लिया है. दरअसल, पार्टी के भीतर की राजनीति की वजह से ऐसी स्थिति बनी है, लेकिन ओली ने पार्टी की राजनीति को पूरे देश की राजनीति बना दी है. वे खुद अपनी ही पार्टी में अलग–थलग होते जा रहे हैं. चारों तरफ से घिर चुके केपी शर्मा ओली ने अपना रोष पूरे संसद को भंग करके प्रकट कर दिया है. अगर भंग करना था, तो वे अपने सदस्यों पर फैसला करते. ऐसा करना उनके लिए कठिन था. संसद भंग करने की सिफारिश करना बिल्कुल मनमाना और एकतरफा फैसला है. वे अपनी सत्ता को बचाये रखने के लिए ऐसा कर रहे हैं. इसीलिए, सारा देश उनके इस फैसले के खिलाफ है और अपना आक्रोश प्रकट कर रहा है. पार्टी में पुष्प कमल दहल प्रचंड काफी मुखर हैं. पार्टी में मुख्य रूप से दो नेता हैं. एक तरफ ओली हैं, तो दूसरी तरफ पुष्प कमल दहल हैं. माधव कुमार नेपाल, झलनाथ खनाल आदि भी यूएमएल के बड़े नेता हैं. सब नेपाल की राजनीति में काफी प्रभावशाली रहे हैं. इन सबको ओली ने दरकिनार कर यह एकतरफा फैसला लिया है. प्रचंड ने दस से अधिक वर्षों तक माओवादी आंदोलन की अगुआई की है. उनके साथ ओली का अनुबंध था कि ढाई साल के बाद उन्हें प्रधानमंत्री बना देंगे. वे दो पद लिये हुए हैं. वे पार्टी के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री, दोनों हैं. वे इस बात पर राजी थे कि इनमें से एक को वे छोड़ देंगे. अब दोनों पदों में से वे न किसी एक को छोड़ रहे हैं और न ही प्रचंड को प्रधानमंत्री बनने दे रहे हैं. इन सब टकरावों के बाद उन्होंने एक ऐसा फैसला ले लिया है, जो संविधान के नियमों के बिल्कुल खिलाफ है. यह लोकतंत्र के लिहाज से गलत निर्णय है. नेपाल की संसद के निचले सदन को 'प्रतिनिधि सभा' कहा जाता है. वहां के संविधान की धारा–85 (1) और 76 (7) के अनुसार, सदन का कार्यकाल पांच वर्ष का होता है. संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि दो तिहाई बहुमत वाली सरकार में प्रधानमंत्री एकतरफा फैसला करके सदन को भंग कर दे. अब संविधान के खिलाफ जाकर ओली ने फैसला लिया है, जिससे उनका विरोध होना स्वाभाविक है. मामला अदालत में जा चुका है, उसका रुख सबसे महत्वपूर्ण होगा. ओली के कार्यकाल में भारत के साथ संबंध खराब हुए हैं. पार्टी में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए ओली ने भारत के साथ सीमा विवाद को शुरू किया था, लेकिन इससे उनकी बात बनी नहीं. पार्टी में ऐसे अनेक मतभेद बढ़ते गये. राष्ट्रवाद का सवाल था, तो सभी लोगों ने समर्थन कर दिया था, लेकिन ओली के मंतव्य पर पार्टी के भीतर सवाल खड़े हुए. भारत ने संबंध सुधारने की कोशिश की, तो अब वे एक नये रास्ते पर चल पड़े हैं. वहां रॉ प्रमुख और सेना प्रमुख को भेजा गया. विदेश सचिव का भी नेपाल दौरा हुआ. विदेशमंत्री और प्रधानमंत्री ने भी उनसे बात की. तमाम प्रयासों से हालात बेहतर करने की कोशिश हो रही है. अब वे एक नया सिलसिला शुरू कर रहे हैं, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो रही है. ऐसे फैसले से नेपाल में अस्थिरता के हालात उत्पन्न हो रहे हैं. सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद क्या होगा? चुनाव कब और कैसे होंगे तथा कौन सी पार्टी सत्ता में आयेगी? ऐसे तमाम सवाल हैं, जिनका भविष्य में ही जवाब मिल पायेगा. अगर यह मसला संसद में वापस जाता है, तो वहां क्या स्थिति बनेगी, इस पर अभी कुछ स्पष्ट तौर पर नहीं कहा जा सकता है. अभी यह सब अनिश्चितता में है. वहां एक व्यवस्था बनी थी कि ढाई साल तक कोई अविश्वास प्रस्ताव नहीं आयेगा, अब ढाई साल पूरे हो गये हैं, तो उन्होंने ऐसा फैसला ले लिया. संविधान में यह कहीं नहीं लिखा है कि प्रधानमंत्री संसद को भंग कर सकता है, जब उसके पास बहुमत हो. उन्होंने अभी पार्टी तोड़ी नहीं है. कानूनी रूप से उनकी पार्टी सत्ता में है, तो वे संसद को कैसे भंग कर सकते हैं? बहुमत के लिए कोई चुनौती नहीं है, तो यह फैसला लेने का आखिर औचित्य ही क्या है? अगर उनके पास बहुमत है, तो संसद में अपना बहुमत साबित करें. अगर नहीं है, तो इस्तीफा दें. संवैधानिक प्रक्रिया का अनुपालन होना आवश्यक है. अब आगे भी समस्याएं आयेंगी, इसके खिलाफ विरोध–प्रदर्शन होंगे. पहले से भी वहां कानून–व्यवस्था को लेकर चिंता है. भूकंप के बाद की स्थिति सुधरी नहीं है. कोविड–19 का गंभीर मसला है. ऐसे तमाम मुद्दों का हल होना बाकी है.

मानव पूंजी निर्माण पर हो ध्यान

अजीत रानाडे

ये वर्ष में प्रवेश के इस अवसर पर व्यापक आर्थिक स्तर पर हवाएं हमारे पक्ष में बहती दिख रही हैं. स्टॉक मार्केट पहले की तुलना में उच्च स्तर पर है. शेयर मूल्य सूचकांक मार्च की गिरावट के बरक्स लगभग 60 प्रतिशत ऊपर हैं. स्टॉक मार्केट को आगे की आर्थिक स्थितियों का सूचक माना जाता है. सो यह स्पष्ट रूप से ठोस आर्थिक पुनरुत्थान को इंगित कर रहा है. बैंकिंग प्रणाली में नकदी की पर्याप्त उपलब्धता है. कई दशकों में ब्याज दरें सबसे निम्न स्तर पर हैं. बहुत समय के बाद भारतीय और पाश्चात्य नीतिगत दरों में अंतर सबसे कम है. मुद्रास्फीति की दर छह प्रतिशत से ऊपर है. लेनदारों के लिए इसका अर्थ यह है कि वास्तविक ब्याज दर शून्य के करीब या ऋणात्मक है. इससे सरकार को खुशी होनी चाहिए, क्योंकि वह पूरे तंत्र में सबसे बड़ी लेनदार है या फिर उन लोगों को, जो आवास ऋण या व्यवसाय बढ़ाने के लिए कर्ज लेने की सोच रहे हैं. सितंबर में समाप्त हुई तिमाही के आंकड़े बता रहे हैं कि कई क्षेत्रों में कॉरपोरेट लाभ में शानदार बढ़ोतरी हुई है. सबसे प्रमुख सूचक, जिसे पर्चेजिंग मैनेजर इंडेक्स कहते हैं, लगातार चार महीने से बढ़ता जा रहा है. यदि ये सभी कारक नियुक्तियों और रोजगार के अवसरों को बढ़ाते हैं, तो इससे उपभोक्ता भरोसे को भी बल मिलेगा. व्यवसाय और उपभोक्ताओं का भरोसा एक–दूसरे पर निर्भर करते हैं. इसलिए, एक सकारात्मक वर्तुल बहुत स्वागतयोग्य होगा. वित्त मंत्री अभूतपूर्व बजट का आश्वासन दे रही हैं, जो संभवतरू एक बड़े व्यय पैकेज का संकेतक है. इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च से निर्माण जैसे सहायक क्षेत्रों को लाभ होने के साथ रोजगार में भी मदद मिलेगी. लेकिन निराशाजनक पहलू की ओर इशारा करना भी जरूरी है. पहली बात, भले ही अगले साल तेज बढ़ोतरी की अपेक्षा है, लेकिन यह साल मंदी का है. हमारे सकल घरेलू उत्पादन और राष्ट्रीय आय में आठ से दस प्रतिशत की कमी आयेगी. अगले साल यदि 10 से 12 प्रतिशत की भी वृद्धि होती है, तब भी दो सालों तक आय वृद्धि शून्य से थोड़ी ही ऊपर रहेगी. दूसरी बात, कड़े लॉकडाउन और उससे पहले के चार सालों में गिरावट के कारण संभावित आर्थिक वृद्धि दर गिरकर संभवतरू पांच प्रतिशत के आसपास आ गयी है. इसके ऊपर की कोई भी बढ़त चिंताजनक हो सकती है. इसलिए हमें मुद्रास्फीति पर नजर रखनी होगी, जो घरेलू बजट और व्यावसायिक भावना को नुकसान पहुंचा सकती है. बीते 12 महीनों में, मार्च को छोड़ कर, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर छह प्रतिशत से ऊपर रही है. यह रिजर्व बैंक की बर्दाश्त करने लायक सीमा से ऊपर है. अपने नरम मौद्रिक रवैये के बावजूद रिजर्व बैंक देर–सबेर नकदी की आपूर्ति पर अंकुश लगाना शुरू कर सकता है. इससे वृद्धि पर नकारात्मक असर होगा. तीसरी बात, कर्ज की अनुशासनहीनता को लेकर बहुत अधिक सहिष्णुता रही है. इसलिए लंबे विलंब और फंसे हुए कर्ज की पुनर्संरचना के बाद संभव है कि भारतीय बैंकिंग सेक्टर के लिए वास्तविकता से सामना का दिन अधिक दूर नहीं हो. हमें फंसे हुए कर्ज के अनुपात में तेज वृद्धि के लिए तैयार रहना चाहिए, जिससे निबटने के लिए सरकार को पर्याप्त पूंजी मुहैया करानी पड़ेगी.

चौथी और सबसे अहम बात है, शिक्षा और स्वास्थ्य पर चुपचाप पड़ता खतरनाक असर. साल 2020 के मानव विकास सूचकांक में 189 देशों में भारत 131वें पायदान पर है. हमारा देश दो सालों में दो सीढ़ी नीचे आया है. इसमें श्रीलंका 72वें और चीन 85वें स्थान पर हैं. सर्वाधिक चिंता की बात यह है कि भारत के कार्य बल का केवल 20 फीसदी हिस्सा ही कुशल कहा जा सकता है. इस आंकड़े के साथ भारत सूडान, कैमरून और लाइबेरिया जैसे देशों की कतार में है. हमारे सभी दक्षिण एशियाई पड़ोसी हमसे आगे हैं. भारत की 42 प्रतिशत आबादी बेहद चिंताजनक स्थिति में है यानी वह 1.9 डॉलर की रोजाना आमदनी के गरीबी स्तर से थोड़ा ही ऊपर है. महामारी, जीने के सहारे का छिन जाना या परिवार में बीमारी जैसे कारक इन्हें गरीबी रेखा से नीचे ले जा सकते हैं.

महामारी और लॉकडाउन ने असंगठित क्षेत्र और सूक्ष्म व छोटे उद्यमों को बुरी तरह प्रभावित किया है. सबसे अधिक असर बच्चों पर पड़ा है. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे की हालिया रिपोर्ट में बच्चों में गंभीर कुपोषण को रेखांकित किया गया है. इसमें सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि बच्चों की बढ़त रुकने या उनका कम वजन होने के मामले 17 में से 14 राज्यों में बढ़ गये हैं. यह तब हुआ है, जब स्वच्छता और साफ पेयजल की उपलब्धता बढ़ी है. यह सब स्पष्ट तौर पर अर्थव्यवस्था में गिरावट और आय के स्रोतों के कम होने के परिणाम हैं. उदाहरण के लिए, लॉकडाउन में स्कूलों की बंदी से मिड–डे मील भी नहीं मिल पा रहा था. गरीब परिवारों के बहुत से बच्चों के लिए दिनभर में वही एकमात्र भोजन मिल पाता था. वित्तीय मजबूरियों के कारण बाल पोषण योजनाओं के खर्च में भी कटौती हुई है. कोरोना महामारी ने 29 करोड़ भारतीयों की शिक्षा को भी प्रभावित किया है. असर की रिपोर्ट के अनुसार, छह से दस साल आयु के 5.3 प्रतिशत बच्चों के स्कूल छूट गये हैं. बहुत–से बच्चे परिवार की आमदनी जुटाने में सहयोग कर रहे हैं. जो बच्चे स्कूलों में हैं, उनमें से 38.2 प्रतिशत के पास स्मार्टफोन की सुविधा नहीं है. सो, ऑनलाइन शिक्षा से बड़ी संख्या में बच्चे वंचित हैं. डिजिटल विषमता बढ़ी है और इसे सबसे अधिक शिक्षा में देखा जा सकता है. इसी तरह, स्वास्थ्य में कोरोना उपचार को प्रमुखता देने से एचआइवी, कैंसर और गुर्दे की समस्याओं से जूझते लोगों को या तो नियमित उपचार नहीं मिला या उन्हें बड़ी मुश्किलें उठानी पड़ीं. इस प्रकार, एक ओर अर्थव्यवस्था मजबूती से उबरने की ओर अग्रसर है, वहीं अर्थव्यवस्था के मानव पूंजी आधार के ठोस पुनर्निर्माण और उसमें निवेश की दरकार है. बच्चों की शिक्षा और समूची स्वास्थ्य सेवा में सरकारों को हर स्तर पर वित्त और संसाधन देने के अपने वादे को बढ़ाना होगा. सकल घरेलू उत्पादन के अनुपात में खर्च की सीमा को सार्वजनिक स्वास्थ्य में तीन फीसदी और शिक्षा में पांच फीसदी तक बढ़ाना चाहिए. भले ही इससे वित्तीय घाटा बढ़े, लेकिन मानव पूंजी में खर्च भविष्य के लिए निवेश है. इसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए, क्योंकि वैश्विक मानकों की तुलना में इन मदों में भारत का खर्च कम है.

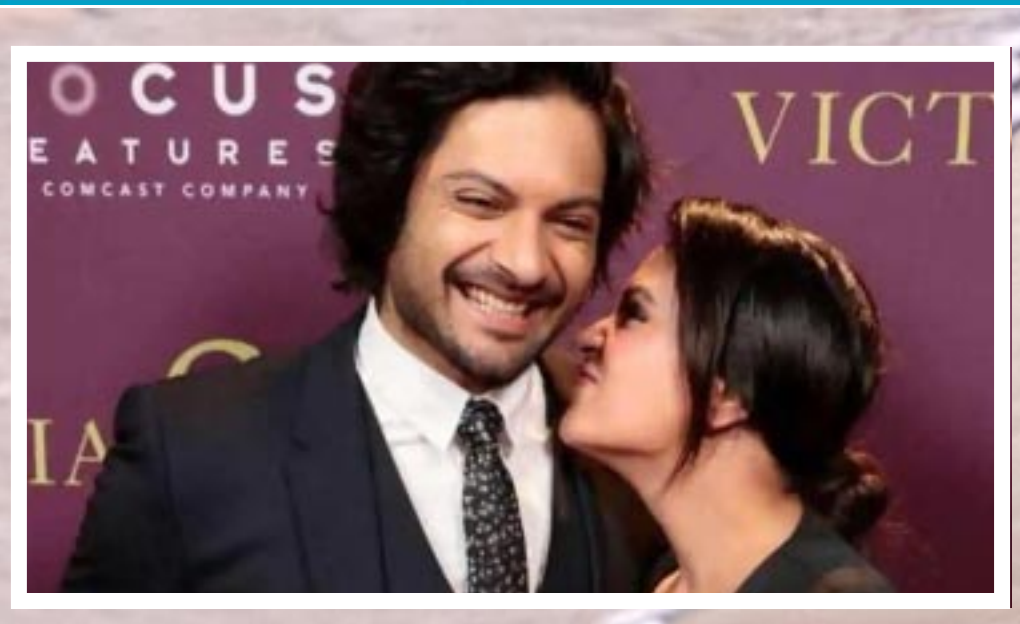

वैक्सीन आने के बाद ही मैं और अली शादी का प्लान करेंगे: रिचा चड्ढा

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस रिचा चड्ढा ने अपनी फिल्म, दर्शकों के थिएटर आने, कोरोना काल, अली फजल से उनकी शादी और इंडस्ट्री को लेकर पनपी निगेटिविटी पर बात की है।

एक समर्थ अभिनेत्री के रूप में पहचानी जानेवाली रिचा चड्ढा इन दिनों चर्चा में है बायोपिक शकीला से। साउथ की अडल्ट स्टार शकीला की जीवनी पर आधारित यह फिल्म हिंदी समेत चार अन्य भाषाओं में 1000 स्क्रीन्स पर रिलीज होने जा रही है। इस बातचीत में रिचा अपनी फिल्म, दर्शकों के थिएटर आने, कोरोना काल, अली से उनकी शादी और इंडस्ट्री को लेकर पनपी निगेटिविटी पर बात करती हैं। कोरोना काल में तकरीबन 9 महीनों बाद आपकी फिल्म शकीला थिएटर का मुंह देख पाएगी, क्या इस बात की फिक्र है कि ऑडियंस आएगी? मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।

सब चीजें न्यू–नार्मल तरीके से हो रही हैं। मैं और ज्यादा खुश होती, अगर शकीला का प्रमोशन मैं बड़े और विशाल पैमाने पर कर पाती। इस समय मैं जूम और कॉल्स पर इंटरव्यूज दे रही हूं। यह जरूरी भी है कि सब लोग एक सुरक्षा कवच बनाकर रखें। फिल्म के थिएटर में रिलीज होने की बहुत बड़ी वजह यह भी है कि यह हिंदी के अलावा 4 भाषाओं में रिलीज हो रही है। यह चिंता तो जाहिर तौर पर है ही कि दर्शक आएंगे या नहीं। मगर उसका हम कुछ कर नहीं सकते हैं। मेकर्स को फिल्म मार्च में रिलीज करनी थी। अब इस फिल्म को रोक कर रखना मुश्किल है। इसलिए इसे दिसंबर में अब रिलीज किया जा रहा है। जहां कोरोना का संक्रमण कम होगा, वहां लोग फिल्म देखने जाएंगे। कल रात को मैं खुद एक फिल्म देखकर आई, जिससे थिएटर में लिए जानेवाले प्रीकॉशंस का जायजा ले सकूं। शकीला को पर्दे पर उतारने में आपको सबसे ज्यादा मुश्किल क्या लगा? परफॉरमेंस के नजरिए से देखूं, तो कुछ भी मुश्किल नहीं था। मगर रोल की डिमांड पर वजन बढ़ाना एक बड़ी चुनौती थी। मैंने बहुत अनहेल्दी तरीके से वजन बढ़ाया। खूब तला–भुना मैदा खाया, वो चीजें भी खाईं, जिससे मुझे एलर्जी थी। वजन बढ़ाना आसान था, मगर घटाना उतना ही मुश्किल। मैंने शकीला को समझने के लिए उसकी साइकी में जाने की कोशिश की। वह साउथ की अडल्ट स्टार सिल्क स्मिता की तरह महत्वाकांक्षी नहीं थी। उन्हें तो बस इतना कमाना था कि अपने परिवार का पेट पाल पाती। सिल्क स्मिता के गुजरने के बाद जो खाली जगह थी, उसके जरिए वह तेजी से स्टारडम की सीढ़ियां चढ़ गईं। उन्होंने अपने परिवार को भाई–बहनों के बच्चों को संभाला। उनकी पढ़ाई पूरी करवाई, मगर उसी परिवार ने उन्हें त्याग दिया। मैं उनके इसी पहलू को दर्शाना चाहती थी। फिल्म की तुलना लगातार डर्टी पिक्चर से हो रही है? मुझे आश्चर्य हो रहा है, क्योंकि डर्टी पिक्चर करीबन 10 साल पहले रिलीज हुई थी। इसलिए अचरज में हूं कि लोगों के दिमाग में अभी तक वह फिल्म चल रही है। बाकी तुलना हो रही है तो किसी बुरी फिल्म से नहीं हो रही है, यह बहुत अच्छी बात है। इस कंपेरिजन को अब रोका नहीं जा सकता। लड़कों को सबक सिखाने की है जरुरत रू रिचा चड्ढा पंकज त्रिपाठी के साथ दोबारा काम करने का अनुभव कैसा रहा? उनका रोल बहुत फनी और मजेदार है। साउथ के सुपर स्टार के रोल को निभाते हुए उन्होंने इसे अलहदा अंदाज दिया। वे जितने शरीफ हैं, उतने ही फिल्म में बदमाश नजर आते हैं। एक अभिनेता के रूप में उनका शार्प ऑबजर्वेशन उनके बहुत काम आया। असल जिंदगी में भी ऐसा होता है। हम लोग किसी समझदार व्यक्ति से मिलते हैं, तो उनके आदर्श ऊंचे होते हैं, मगर उनके करीब जाओ तो वे एक ऐसी बेकार बात कह देंगे कि उनका असली चरित्र उजागर हो जाता है। ट्रेलर में दिखाया है कि वे लड़की से कहते हैं तुम यह नहीं पहनोगी, क्योंकि तुम्हारी ब्रा का स्ट्रेप दिख रहा है, मैं फैमिली फिल्में करता हूं और मेरी इमेज खराब हो जाएगी, मगर जैसे ही वह उनके पास अकेली जाती है, तो वे कहते हैं कि हम आउटडोर जा रहे हैं और आप अपनी मां को नहीं लाओगी। उन्होंने जब इस सीन को कंसीव किया, तो मैं यही सोच रही थी कि ऐसा अनुभव उन्हें कभी न कभी जरूर हुआ होगा। कोरोना काल आपके लिए कितना मुश्किल साबित हुआ? चुनौती यही थी कि हर तरफ से बस बुरी खबरें ही आ रही थी। मेरे करीबी लोगों में और दुनिया में भी बहुत लोग कोरोना में गुजरे। बहुत बुरा और भारी वक्त था। इसके अलावा इस समय हम सबको सोचने का वक्त मिला। हम थोड़ा ठहरे, वरना तो भागे जा रहे थे।

खास कर हमारी इंडस्ट्री में तो शूटिंग, ट्रैवलिंग और भागम–भाग लगी रहती है। इस दौरान मैंने खाना बनाना, खुद को और दूसरो को खुश रखना सीखा। इसी कारण आपकी और अली फजल की शादी भी टली? अब कब प्लान है? मार्च के दूसरे सप्ताह में ही हमने तय कर लिया था कि हम शादी पोस्टपोन कर देंगे। जाहिर है महामारी में लोग देश–विदेश से ट्रैवल करके कैसे आते? अब हम तो यही सोच रहे हैं कि इस महामारी की वैक्सीन आ जाए तो चिंता कम हो जाएगी, क्योंकि उसके बाद ही लोग सेफ फील कर पाएंगे। अब जब वैक्सीन आएगी, उसका सफल ट्रायल होगा, तभी हम कुछ प्लान कर पाएंगे। पिछले दिनों इंडस्ट्री को लेकर पनपी निगेटिविटी के बारे में क्या कहना चाहेंगी? यह तो पूरी तरह एक मैनिफेक्चरर नरेटिव था। अब एक–एक करके सबको रिहा किया जा रहा है। उस वक्त सब लोग घर पर बैठे हैं और आपको एक बंधी–बंधाई ऑडियंस मिल जाती है। अब आप उन्हें कोई भी पट्टी पढ़ा दें। लोग होते भी हैं ढोंगी हैं। उन्हें जिससे टीआरपी मिलती है, वह दिखाते हैं। अब वह टीआरपी असली है या नकली बाद में जाकर पता चलता है। उन्हें एक जरिया मिल गया है कि हम यह करेंगे, वह करेंगे और इससे हम खबरें दिखाएंगे। उन्हें एक फॉर्मूला मिल जाता है, जिसे वे घसीटे चले जाते हैं। मगर मुझे लगता है इस पर अब इससे ज्यादा और सोचने की जरूरत भी नहीं है। यह एक दौर है, जो चला जाएगा। मगर, हां उन लोगों ने अपने स्वार्थ के लिए इसे मुद्दा बनाया, वे लोग खुद ही एक्सपोज हो गए।

वायरल हो रहीं 'मिर्जापुर' की : माधुरी भाभी' की तस्वीरें

ईशा तलवार ने हाल में आई वेब सीरीज मिर्जापुर–2 में शमुन्ना भैयाश की पत्नी श्माधुरी भाभीश का रोल निभाया था। इसके बाद से ही ईशा काफी चर्चा में हैं।

फिल्म शकीला का दूसरा गाना 'ताजा' रिलीज, बैली डांस करती दिखायी दी ऋचा चड्ढा

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा की आने वाली फिल्म शकीला का दूसरा गाना जिसका नाम श्ताजाश है, मंगलवार दोपहर ऑनलाइन रिलीज किया गाय। गाने को कुमर और साहेब खान ने लिखा है। अभिनेत्री ऋचा चड्ढा की आने वाली फिल्म शकीला का दूसरा गाना जिसका नाम श्ताजाश है, मंगलवार दोपहर ऑनलाइन रिलीज किया गाय। गाने को कुमर और साहेब खान ने लिखा है।

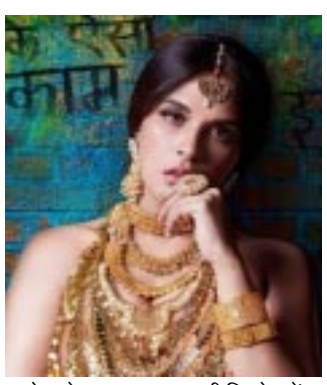

शकीला एडल्ट फिल्म स्टार शकीला के जीवन पर आध ारित है और 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में हिट होने के लिए तैयार है। ऋचा चड्ढा ने फिल्म में शकीला की भूमिका निभाई हैं। प्रकृति कक्कड़, साहेब खान और वीर समर्थ ने मिलकर गाने को बनाया है। इस में आप ऋचा को बैली डांस करते देख सकते हैं। गाने के साथ इस वीडियो में शकीला की ऑनस्क्रीन और उतार–चढ़ाव भरी यात्रा के स्टारडम को दिखाया गया है। डियो में ऋचा को एक रेट्रो लुक में, उनके विशेष प्रदर्शन गीत के लिए डेक–अप किया गया है। यह एक दुखद नोट पर खुलता है – हम एक महिला को अस्पताल के बिस्तर पर देखते हैं क्योंकि ऋचा उर्फ शकीला कहती है कि सिल्क (स्मिता, वयस्क स्टार) की मौत उसके लिए एक झटका थी। गीत शकीला के स्टारडम के बारे में बात करता है, जबकि वीडियो उन संघर्षों को भी सामने रखता है जिनसे उसे गुजरना पड़ता है।

अंकिता लोखंडे को सुशांत के फैंस ने किया जबरदस्त ट्रोल! एक्ट्रेस कहा– नफरत नहीं है दिल में

बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से ही अंकिता लोखंडे चर्चा में हैं। एक्ट्रेस का सुशांत सिंह रातपूत के साथ सात साल रिश्ता चला था। सुशांत की मौत के बाद अंकिता खुलकर मीडिया के सामने आयी थी और उन्होंने बयान दिया था कि सुशांत सुसाइड नहीं कर सकता। बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से ही अंकिता लोखंडे चर्चा में हैं। एक्ट्रेस का सुशांत सिंह रातपूत के साथ सात साल रिश्ता चला था। सुशांत की मौत के बाद अंकिता खुलकर मीडिया के सामने आयी थी और उन्होंने बयान दिया था कि सुशांत सुसाइड नहीं कर सकता। अंकिता, सुशांत के परिवार के साथ सुशांत को न्याय दिलाने की लड़ाई में खड़ी रही। उस दौरान अंकिता पर भी सिंपथी लेने का आरोप लगा लेकिन अंकिता पर इसका कोई असर नहीं पड़ा वह लगातर सुशांत के लिए न्याय की मांग करती रही। अंकिता लोखंडे और सुशांत सिंह राजपूत पर रिया चक्रवर्ती ने भी कई तरह के आरोप लगाए, लेकिन अंकिता कि सच्चाई को देखते हुए सोशल मीडिया पर फैंस अंकिता के साथ खडे दिखाई पड़े। अब सुशांत सिंह राजपूत की मौत के छह महीनें बाद अंकिता लोखंडे को सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा ट्रोल किया जा रहा हैं। अंकिता लोखंडे का 19 दिसंबर को जन्मदिन था जिसे उन्होंने अपने परिवार के साथ काफी खुशी से मनाया। अंकिता ने अपने जन्मदिन के सेलेब्रेशन के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर लिए किये। वीडियो शेयर करने के बाद अंकिता का कमेंट बॉक्स नकारात्मक कमेंट से भर गया। सुशांत के फैंस को अंकिता का इस तरह से सोशल मीडिया पर वीडियो डालना पसंद नहीं आया। अंकिता लोखंडे को सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा ट्रोल किया गया। अंकिता लोखंडे ने अपने जन्मदिन के जश्न की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद एक पोस्ट साझा की हैं। जन्मदिन की पार्टी करने और संदीप

सिंह को पार्टी में आमंत्रित करने के लिए अंकिता लोखंडे को ट्रोलर्स ने निशाना बनाया। जिसके बाद अंकिता ने अपनी सफाई में एक संदेश पोस्ट किया अंकिता ने सीधे तौर पर नफरत करने वालों पर कोई टिप्पणी नहीं की है, उन्होंने एक संदेश में लिखा कि नफरत का उनके दिल में कोई स्थान नहीं है। अंकिता ने इंस्टाग्राम पर लिखा "मैं और मेरा दिल, हमें ऐसे मुद्दे मिले हैं जिनसे हम लड़ते हैं, लेकिन एक चीज जो हमारे अंदर कभी नहीं रहेगी वह है नफरत। जब आपके अंदर नफरत के विचार आते हैं, तो यह आत्मा की कुरूपता है जो आपके सभी मुद्दों को बनाता है और नियंत्रित करता है।

मां के होते हैं कई रूप, आप किस टाइप की मॉम ?

मां और बच्चे का रिश्ता दुनिया के सभी रिश्तों से पवित्र माना जाता है। एक औरत जब मां बनती है तब वह संपूर्ण हो जाती है। मां अपने बच्चों के बिना कहे ही उनकी हर प्रॉब्लम को समझ जाती है। जब एक औरत मां बनती है तो खुद पर गर्व महसूस करती है। मां अपने बच्चे की हर बात मानती है और उसपर पूरा–पूरा प्यार लूटाती है। इस दौरान एक मां के कई रूप देखने को मिलते हैं। कभी वो बच्चों के साथ बच्ची बन जाती है तो कभी उनके भविष्य को लेकर चिंता में डूबी रहती हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं मांओं के कुछ ऐसे ही दिलचस्प रूप के बारे में, जिसके बाद आप हमें बताएंगे कि आप इनमें से कैसी मां हैं।

बच्चों की तारीफें करने वाली मां

हर मां को अपना बच्चा सबसे प्यारा लगता है। लेकिन कुछ मांएं अपने बच्चों को लेकर काफी पजेसिव होती हैं। वे अक्सर अपने बच्चों की तारीफों के पूल बांधती रहती हैं। फिर चाहे ऑफिस हो या फिर कोई फैमिली फंक्शन वे अपने बच्चों की तारीफें करना नहीं छोड़ती।

परफेक्शनिस्ट मां

हर परफेक्शनिस्ट मां चाहती है कि उनके बच्चे उन्हीं की तरह हर काम में परफेक्ट बनें। इसलिए वे हर समय अपने बच्चों के हर काम को बार–बार देखती हैं। वह अपने बच्चों का हर काम टाइम टेबल के हिसाब से करती हैं। इस तरह की मांओं की कोशिश रहती है कि उनका बच्चा हर काम में फिर चाहे वो स्कल हो, कॉलेज हो या फिर खेल कूद हो उसमें टॉप पर ही रहे।

सोशली मीडिया पर एक्टिव मां

कुछ मांएं सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव होती हैं। जब भी इन्हें समय मिलता है तो वे सोशल ग्रुप्स और दोस्तों में लग जाती हैं। इस तरह की मम्मियों के पास बच्चों को किस तरह से हैंडल किया जाए के हजारों टिप्स मिल जाएंगे। इसके साथ ही वह सोशल मीडिया के जरिए अपने दोस्तों से बच्चों को पढ़ाने और उन्हें संभालने के टिप्स जुटाती रहती हैं।

अंधविश्वास में रहने वाली मां

वैसे तो हर मां को डर लगा रहता है कि उसके बच्चे को किसी की नजर ना लगे। जिस वजह से कुछ मांएं दूसरों के सामने अपने बच्चे की कामयाबी की तारीफ करने से भी डरती हैं। वे अपने बच्चे की तारीफ की जगह उसकी कमियों के बारे में बताना शुरू कर देती हैं। उन्हें ऐसा लगता है कि अगर वे अपने बच्चे की तारीफ करेगी तो उसे नजर लग जाएगी। वहीं कुछ तो हफ्ते में कई बार अपने बच्चे की नजर तक उतार लेती हैं।

फैशनिस्टा मां

फैशनिस्टा मां खुद के साथ–साथ अपने बच्चों को भी फैशनेबल देखना पसंद करती हैं। वे अक्सर अपने बच्चे के स्टाइल को क्रिएट करती रहती हैं। वे अपने बच्चे के कपड़ों से लेकर हेयरस्टाइल तक सब कुछ फैशनेबल चाहती हैं।

चिंता में रहने वाली मां

हर मां को अपने बच्चों की चिंता सताती रहती है। लेकिन कुछ मांएं तो हर समय अपने बच्चों को लेकर चिंता में रहती हैं। कई बार तो उनकी चिंता जायज भी नहीं होती।

क्या आप भी मोजे पहनकर सोते हैं तो जान लें इसके फायदे और नुकसान

सर्दियों में ठंड से बचने के लिए हर कोई खुद का खास ध्यान रखता है। अच्छी डाइट के साथ कपड़ों को लेकर भी लोग काफी सतर्क रहते हैं। ऐसे में वे ज्यादा से ज्यादा गर्म कपड़े पहनते हैं। साथ ही पैरों को गर्म रखने के लिए मोजों का इस्तेमाल करते हैं। इससे ठंडी हवा से पैरों का बचाव होने के साथ आरामदायक नींद आने में मदद मिलती है। मगर बात अगर मोजे या जुराबें पहन कर सोने की करें तो इसे लेकर हर किसी के मन में अलग–अलग सवाल है। कई लोग इसे बिस्तर में पहनना फायदेमंद कहते हैं तो कई इसे नुकसानदायक मानते हैं। ऐसे में अगर आपके मन में भी इसे लेकर सवाल है तो चलिए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से...

तो चलिए पहले जानते हैं मोजे पहनकर सोने के फायदों के बारे में...

शरीर का तापमान रहेगा नियंत्रित

मौसम में बदलाव आने से इसका असर शरीर में भी देखने को मिलता है। इस तरह सर्दियों में मोजे पहनने से शरीर का तापमान सही रहने में मदद मिलती है। पैरों को गर्माहट मिलने से बॉडी रिलैक्स रहती है।

रक्तप्रवाह में सुधार

मोजे पहनने से पैरों को गर्माहट मिलती है। इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होने से शरीर में खून व ऑक्सीजन का प्रवाह सही तरीके से होता है। ऐसे में मांसपेशियों, दिल व फेफड़ों में मजबूती आती है।

अच्छी नींद दिलाए

अक्सर पैरों के ठंडा होने से नींद पूरी ना होने की शिकायत रहती है। मगर बिस्तर में मोजे पहनकर रखकर से अच्छी नींद आने में मदद मिलती है।

रायनौड का खतरा करे कम

यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर को ठंड लगने से पैरों की उंगलियां सुन्न होने लगती है। इसके कारण कई लोगों को पैरों में दर्द खुजली, जलन, सूजन की भी शिकायत हो जाती है। वैसे तो यह कोई गंभीर समस्या नहीं हैं। मगर फिर भी इससे बचने के लिए मोजे पहनना बेस्ट ऑप्शन है।

मोजे पहनकर सोने के नुकसान...

हाइजीन

पुराने, तंग व गंदे मोजे पहन कर सोने से संक्रमण होने का खतरा अधिक रहता है। इससे पैरों में दबाव होने के साथ खून व ऑक्सीजन ठीक नहीं मिलेगा। साथ ही पैसों से बदबू आने की भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में इस बात का खास ध्यान रखें कि आप जो भी मोजे पहन रहे हैं वो एक दम साफ और सही हो। इसके अलावा कॉटन, कश्मीरी मोजों को भी चुनें।

ब्लड सर्कुलेशन में बांधा

वैसे तो हम आपको पहले ही बता चुके हैं कि मोजे पहनने से ब्लड सर्कुलेशन में सुधार होता है। मगर सही जुराबें ना होने से इसका असर विपरीत भी हो सकता है। ऐसे में अगर आप ज्यादा तंग मोजे पहनते हैं तो इससे पैरों में दबाव महसूस होगी। ऐसे में अकड़न होने के कारण खून का प्रवाह को होने का खतरा हो सकता है।

ओवरहीटिंग की समस्या

मोजे ठंड से बचाने का काम करते हैं। मगर इससे इसका विपरीत असर भी होने का खतरा रहता है। असल में, अगर आपके मोजों में हवा नहीं निकलेगी तो इससे ओवरहीटिंग की परेशानी हो सकती है।

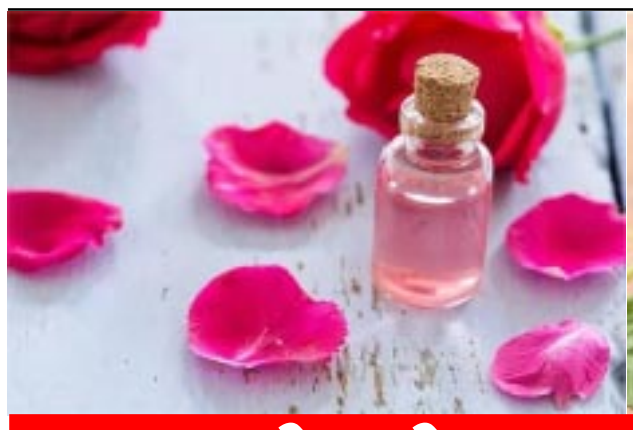

नहाने के पानी में मिलाएं ये चीजें, ड्राई स्किन की होगी छुट्टी

सर्दियों में ज्यादातर गर्म पानी से नहाते हैं। इससे ठंड से बचाव तो रहता है मगर स्किन में ड्राईनेस बढ़ जाती है। इसके अलावा त्वचा में जलन, खुलजी की समस्या भी होने लगती है। ऐसे में पानी में कुछ खास चीजों को मिलाकर नहाने से इस परेशानी से बचा जा सकता है। तो चलिए जानते हैं उन खास चीजों के बारे में...

ग्रीन–टी

सर्दियों में लोग गर्म पानी से नहाना पसंद करते हैं। ऐसे में ज्यादा ड्राई स्किन की समस्या होना आम बात है। इससे बचने के लिए नहाने के पानी में ग्रीन–टी बैग डालना बेस्ट ऑप्शन है। इसके लिए पानी को गर्म करके उसमें 4–5 बैग ग्रीन–टी के करीब 15–20 मिनट के लिए डुबोएं। उसके बाद इस पानी से नहाएं। एंटी–ऑक्सीडेंट, एंटी–एंजिग, एंटी–वायरल गुणों से भरपूर ग्रीन–टी स्किन को गहराई से पोषण पहुंचाने के साथ नमी बनाएं रखने में मदद करती है। साथ ही स्किन साफ, निखरी व कोमल नजर आती है।

सेंधा नमक और फिटकरी

पानी में 1 छोटा चम्मच नमक या फिटकरी का पाउडर मिलाकर नहाएं। इससे दिनभर की थकान दूर होने के साथ मांसपेशियों में र्द व अकड़न की परेशानी दूर होगी। साथ ही ब्लड सर्कुलेशन बेहतर तरीके से काम करेगा।

तुलसी

तुलसी एंटी–ऑक्सीडेंट, एंटी–एजिंग, एंटी– बैक्टीरियल व औषधीय गुणों से भरपूर होती है। ऐसे में तुलसी के पानी से नहाने से खुजली, जलन आदि परेशानियां दूर होने में मदद मिलती है।

संतरे के छिलके

संतरे के साथ उसके छिलके भी बेहद फायदेमंद होते हैं। ऐसे में पानी में 2–3 संतरों के छिलके करीब 10 मिनट तक डुबोएं। फिर उस पानी से नहा लें। इससे स्किन से जुड़ी समस्याएं दूर होकर त्वचा गहराई से साफ होती है। साथ ही शरीर में होने वाले दर्द, जलन, खुजली व इंफेक्शन की परेशानी दूर होती है।

कपूर

जिन लोगों को सिर व बदन दर्द की परेशानी रहती है, उन्हें पानी में कपूर मिलाकर नहाना चाहिए। इसके लिए पानी में 2–3 कपूर के टुकड़ों को पीस कर मिलाएं। फिर उस पानी से नहा लें। इससे शरी थकान दूर होने के साथ रिलैक्स फील होता है। साथ ही स्किन में नमी बरकरार रहती है।

गुलाब जल

पानी में गुलाब जल मिलाकर नहाने से शरीर में बदबू आने की समस्या दूर होती है। साथ ही थकान दूर होकर स्किन ग्लो करती है। इसके लिए गुनगुने पानी में 3 से 4 चम्मच गुलाब जल मिलाकर नहाएं।

नीम के पत्ते

एंटी–बैक्टीरियल, एंटी–फंगल, एंटी–एजिंग गुणों से भरपूर नीम के पत्ते स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। ऐसे में इसे पानी में मिलाकर नहाने से पिंपल्स, दाग–धब्बे, झुर्रियों, डार्क सर्कल व सूजन की समस्या से राहत मिलती है। इसके लिए नहाने के पानी में 8–10 नीम के पत्तियों को 10 मिनट तक डुबोएं। फिर उस पानी से नहा लें।

इस महीने करें पीपल के पेड़ से जुड़ा यह उपाय, पैसों की किल्लत होगी दूर

इस महीने की 16 दिसंबर तारीख से खरमास शुरू हो गया है। ऐसे में इस दौरान सभी शुभ व मांगलिक कार्यों की मनाही होती है। मगर पूजा–पाठ, दान आदि करने का विशेष महत्व होता है। ऐसे में ही ज्योतिष व वास्तुशास्त्र के अनुसार, इस महीने में कुछ उपायों को करने से धन से जुड़ी परेशानियां दूर करने के साथ जीवन में खुशहाली पाई जा सकती है। तो चलिए जानते हैं उन उपायों के बारे में... एकादशी व्रत खरमास में आने वाली एकादशी को व्रत रखना बेहद शुभ माना जाता है। भगवान श्रीहरि को तुलसी व एकादशी अतिप्रिय होने से उन्हें इसका भोग लगाना चाहिए। कहा जाता है कि इस व्रत को करने से जीवन की परेशानियां दूर होकर सुख–समृद्धि व शांति मिलती है। कर्ज से छुटकारा दिलाएगा यह उपाय रविवार का दिन छोड़कर बाकी के दिनों में पीपल के पेड़ को जल चढ़ाकर पूजा करें। शाम के समय में घी का दीपक जलाएं। इससे कर्ज से मुक्ति मिलने के साथ आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। तुलसी पूजा का विशेष महत्व हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे की पूजा का विशेष महत्व है। खरमास में रोजाना तुलसी को जल चढ़ाएं। शाम के समय घी का दीपक जलाकर 11 परिक्रमा लेते हुए श्ओम नमरू भगवते वासुदेवाय नमरू श का जाप करें। इससे तुलसी देवी की कृपा मिलने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। अन्न व धन से जुड़ी परेशानियां दूर होगी। कारोबार में तरक्की मिलने के साथ आय के नए स्त्रोत मिलेंगे। लक्ष्मी स्त्रोत या कनकधारा स्तोत्र का करें पाठ इस महीने में लक्ष्मी स्त्रोत या कनकधारा स्तोत्र का पाठ पढ़े या सुनें। इससे धन की देवी लक्ष्मी की कृपा मिलने से सुख–शांति व पैसों की किल्लत दूर होगी। साथ ही घर–परिवार के सदस्यों में चल रहा तनाव दूर होकर रिश्तों में मिठास आएगी। साथ ही हर क्षेत्र में कामयाबी मिलेगी। इन दोनों की पूजा करनी होगी शुभ खरमास में सिर्फ देवी लक्ष्मी की ही नहीं बल्कि भगवान विष्णु की भी पूजा करना शुङ होता है। तभी इन्हें लक्ष्मी नारायण कहते हैं। ऐसे में दोनों की एक साथ पूजा करने से आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ धन से जुड़ी परेशानियां दूर होती है। इस मंत्र का करें जप खरमास में पीले रंग के कपड़े पहन कर 'गोवर्धनधरवन्देगोपालं गोपरूपिणम् गोकुलोत्सवमीशानं गोविन्दं गोपिकाप्रियम' मंत्र का जाप करें।

गोरखपुर:दिव्यांग पैदा हुआ बच्चा माता-पिता ने डॉक्टरों पर लगाया लापरवाही का आरोप

'अमित रेखा रामप्रताप राव'

गोरखपुर। एक दंपति को उस वक्त झटका लगा जब उनका बच्चा दिव्यांग पैदा हुआ. पीड़ित माता–पिता का आरोप है कि गर्भावस्था के दौरान सभी जांच करवाई गई थीं, डाक्टरों ने बच्चे को स्वस्थ बताया था. अब दंपति डॉक्टरों पर कार्रवाई के लिये आला अधिकारियों के पास गये हैं.

गोरखपुर:गोरखपुर के एक दंपति ने प्राइवेट अस्पताल के चिकित्सकों के ऊपर घोर लापरवाही का आरोप लगाया है. आरोप है कि जब उनके बच्चे का जन्म हुआ, तो उसके एक हाथ नहीं था. उन्होंने बताया कि पहले से अंतिम चरण तक अल्ट्रासाउंड करने वाले चिकित्सकों ने उन्हें बच्चा नार्मल होने की बात कही थी.

जांच रिपोर्ट में ठीक था बच्चा

गोरखपुर के सहजनवां के देईपार गांव के रहने वाले अभिषेक कुमार पाण्डेय की पत्नी अनुराधा पाण्डेय ने 15 अगस्त को जिला महिला अस्पताल में एक बच्चे को जन्म दिया. इसके पूर्व उन्होंने गर्भावस्था की शुरुआत से ही कई निजी चिकित्सकों और अल्ट्रासाउंड सेंटरों के यहां समय–समय पर अल्ट्रासाउंड कराया. उन्होंने बताया कि बच्चे का विकास ठीक ढंग से होने की जानकारी के लिए उन्होंने चिकित्सकों की सलाह पर लेवल–2 की जांच भी कराई. रिपोर्ट देखने के बाद निजी चिकित्सकों ने पेट में पल रहे बच्चे को पूरी तरह से स्वस्थ्य बताते हुए इलाज किया गया.

बच्चा मानसिक और शारीरिक रूप से दिव्यांग

15 अगस्त को बच्चे के जिला महिला चिकित्सालय में जन्म के बाद चिकित्सकों ने बताया कि बच्चा मानसिक और शारीरिक रूप से दिव्यांग है. उन्होंने बताया कि जन्म के बाद पता चला कि उसका एक हाथ भी विकसित नहीं हो पाया है. इसके साथ ही उनके ललाट पर भी ढाल और उभार है. नवजात के जन्म के बाद नवदम्पति शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान हो गए. थक हारकर नवदम्पति ने जिलाधिकारी, सीएमओ और आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से निजी चिकित्सकों की शिकायत की और जांच कर कार्रवाई की मांग की.

सहजनवां के देईपार गांव के रहने वाले अभिषेक पाण्डेय की प्रेग्नेंट पत्नी अनुराधा पाण्डेय का इलाज गोरखपुर के नामचीन डॉक्टर अरुणा छापड़िया से चल रहा था. अभिषेक ने डॉक्टर की सलाह पर प्रत्येक जांच नियम से करवाया. प्रेग्नेंसी के 19 सप्ताह में डा. अंजू मिश्रा, 25 सप्ताह में जांच डा. नेहाल छापडिय्या, 27 वें सप्ताह डॉक्टर अरुणा छापड़िया, 34वें सप्ताह में डॉ. कविता वर्मा द्वारा अल्ट्रासाउंड किया गया. स्माअस–2 की अल्ट्रासाउंड जांच में भी बच्चे को पूर्ण रूप से स्वस्थ्य बताया गया. लेवल–2 की जांच में बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के बारे में जानकारी मिलती है.

लेवल 2 की जांच में भी स्वस्थ था बच्चा

बेतियाहाता स्थित डॉ. अंजू ने लेवल–2 की जांच के बाद इस दंपति को बताया कि बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ है. रिपोर्ट में भी बच्चा पूरी तरफ से ठीक दर्शाया गया है. हालांकि समअमस–2 में यदि बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ हो, तो लेवल 3 की जांच नही करनी पड़ती है. इसी रिपोर्ट के आधार पर अभिषेक ने पत्नी अनुराधा की डिलीवरी जिला अस्पताल में करवाई. जिला अस्पताल में डिलीवरी के बाद बच्चे का एक हाथ का नहीं होना बताया गया. बच्चे को दिमागी रूप से भी अविकसित बताया गया.

सीएमओ ने कमेटी गठित की

इसके बाद दोनों पति–पत्नी ने प्राइवेट डॉक्टर की लापरवाही के खिलाफ मुकदमा करवाने के लिए अधिकारियों के चक्कर लगाना शुरू किया. हालांकि इस बीच जिला अस्पताल के सीएमओ डा. श्रीकांत तिवारी ने जांच के लिए एक कमेटी गठित कर दी है. गठित टीम ने अपनी शुरुआती जांच में अल्ट्रासाउंड करने वाले को डॉक्टर पूर्ण रूप से दोषी पाया है. सीएमओ डा. श्रीकांत तिवारी ने बताया कि निजी चिकित्सकों की जांच में लापरवाही सामने आई है. जिलाधिकारी, उन्हें और आईजीआरएस पोर्टल पर इसकी शिकायत की गई है. उन्होंने बताया कि जांच के बाद चिकित्सकों को अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया है. हालांकि वे अभी अपना पक्ष रखने के लिए उपस्थित नहीं हो पाए हैं।

ग्राम प्रधान चुनाव से संबंधित आपसी रंजिश पर है पुलिस की नजर:एसपी साउथ

– अपराध और अपराधियों पर अंकुश के लिए ग्राम सुरक्षा समिति और चौकीदारों की होगी अहम भूमिका

'अमित रेखा सत्य प्रकाश यादव'

गोरखपुर। जाड़े का मौसम और गांव में प्रधानी के चुनाव की आहट के बीच अपराध और अपराधियों पर अंकुश कैसे लगेगा इसको लेकर पुलिस अ ीक्षक (दक्षिणी) विपुल श्रीवास्तव ने पुलिस की तैयारियों के संबं ा में बात करते हुए बताया कि क्राइम कंट्रोल करने के लिए आजकल मेन फोकस ग्राम प्र ाान के चुनाव पर है क्योंकि इस चुनाव में आपसी रंजिश बहुत ज्यादा बढ़ती है इसलिए थानेदारों को निर्देश दिया गया है कि गांव के विवादों को चिन्हित किया जाए । विवादों को चिन्हित कर उस पर कार्रवाई की जाए जिससे गांव में अमन शांति बनी रहे । साथ ही जाड़े के मौसम में चोरी नकबजनी की घटनाएं बहुत अधिक बढ़ जाती है । इस मौसम में लोग अक्सर गहरी नींद में सो जाते हैं और सुस्त भी रहते हैं इस कारण चोर काफी सक्रिय रहते हैं । इसको दृष्टिगत रखते हुए सब जगह रात्रि में सघन पेट्रोलिंग की व्यवस्था की गई है । गोरखपुर के दक्षिणांचल में 10 थाने हैं उन सबको ब्रीफिंग की गई है कि पीआरबी हर जगह तैनात रहती है, देर रात में कोई व्यक्ति दिखाई दे तो सायरन हूटर बजाते हुए टोका टाकी कर उससे पूछताछ की जाए। जो भी रात में मिले पैदल हो चाहे किसी वाहन से, उसे रोककर उससे पूछताछ की जाए इससे क्राइम कंट्रोल किया जा सकता है।

पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) ने कहा कि बैंकों, ग्राहक सेवा केंद्र और एटीएम के आसपास रात में पेट्रोलिंग पार्टियां चेकिंग जरूर करें अगर कोई संदिग्ध दिखाई दे तो उससे पूछताछ करें। इसके अलावा उन्होंने बताया कि ग्राम सुरक्षा समितियों को पुनर्जीवित करने को कहा गया है। निर्देश दिया गया है की ग्राम सुरक्षा समितियों को सक्रिय बनाया जाए साथ ही गॉव में तैनात चौकीदारों को चौकन्ना कर दिया गया है उन्हें बताया गया है कि अगर गांव के आसपास किसी घुमंतू जाति का डेरा है या कोई पड़ाव है तो वह उसकी सूचना थानों पर जरूर दें। थानेदारों से कहा गया है कि वह कम से कम रात 12:00 बजे तक गश्त करें इसके बाद रात्रि अफसर गश्त करें साथ ही वह हूटर सायरन का प्रयोग करें। महिलाओं से संबंधित अपराध पर शीघ्र कार्यवाही करने के लिए भी निर्देश दिया गया है। साथ ही सभी थाना प्रभारियों, बीट प्रभारियों, चौकी प्रभारियों को इस बारे में खासतौर से बता दिया गया है कि कोई भी छोटी बड़ी घटना हो उस पर त्वरित कार्रवाई करें। क्योंकि वर्तमान परिवेश में छोटी–छोटी घटनाओं को बड़ी बात बना दिया जा रहा है ।

उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल में 30 दिसम्बर को ऑनलाइन पेंशन अदालत

लखनऊ,(यूएनएस)। रेल यातायात के सुगम संचालन के अतिरिक्त उत्तर रेलवे का लखनऊ मंडल विभिन्न अवसरों पर अपने कर्मचारियों के हितार्थ एवं कल्याणार्थ अनेक प्रकार की गतिविधियों का आयोजन करता रहता है रेल कर्मियों की समस्याओं के निदान एवं निस्तारण हेतु गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी पेंशनर्स अदालत का आयोजन 30 दिसम्बर को किया गया है, वर्तमान कोरोना काल की परिस्थितियों को देखते हुए अपने बुजुर्ग सेवानिवृत्त कर्मचारियों व उनके आश्रितों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने इस वर्ष पेंशन अदालत को ऑनलाइन वेबिनार के माध्यम से कराने का निर्णय लिया है जिसका समय प्रातः 09 से अपराहन 02 बजे तक है सर्व सम्बंधित इस लिंक के माध्यम से जुड़ सकते है, इसी क्रम में प्रशासन ने अपने समस्त सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों से पेंशन से सम्बंधित कोई समस्या यदि हो, उसको ई–मेल के माध्यम से मंडल कार्यालय मंगवाई गई है जिसका निस्तारण यथाशीघ्र कर उनको सूचित किया जायेगा। मंडल रेल प्रबंधक ने पेंशन भोगी कर्मचारियो को रेल का आधार स्तम्भ की संज्ञा देते हुए रेलवे में उनके अप्रतिम योगदान हेतु धन्यवाद देते हुए आशा की है कि उपरोक्त पेंशन अदालत के माध्यम से उनके प्रतिवेदनो का शीघ्र व समुचित निस्तारण हो सकेगा।

अटल जी राष्ट्र धर्म के प्रेरणा स्त्रोत हैं : नीलकंठ तिवारी

(संस्कृति विभाग, उ.प्र.) द्वारा भारतरत्न मा0अटल बिहारी वाजपेई जी के 97 वीं जयन्ती पर बुधवार को राष्ट्रवाद और राष्ट्र र्म विषय पर वेबिनार का आयोजन संगीत विभाग के सभा कक्ष में हुआ। उद्घाटन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार संस्कृति, पर्यटन, ध र्मार्थ,प्रोटोकोल डॉ. नीलकण्ठ तिवारी ने अटल जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। अतिथियों का सम्मान संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो.(डॉ.) अभय कुमार जैन एवं निदेशक डॉ. राकेश सिंह ने किया। मंगलाचरण डॉ. इन्दू जैन ने किया। अपने उदगार व्यक्त करते हुए डॉ. नीलकण्ठ तिवारी ने कहा कि अटल जी राष्ट्र धर्म के प्रेरणा स्त्रोत हैं। श्री वाजपेई ने राष्ट्र को हमेशा समाज और धर्म से ऊपर रखा। विषय प्रवर्तन करते हुये संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो.(डॉ.) अभय कुमार जैन ने कहा कि हमारा राष्ट्रधर्म हमारी मर्यादा है। हमारा संविधान राष्ट्र की धर्म पुस्तक है। इसका अनुशरण हमें सशक्त बनाता है। डॉ. जैन ने कहा कि व्यक्ति से समाज और समाज से राष्ट्र का निर्माण होता है। राष्ट्र के प्रति हमारा समर्पण ,प्रेम, सेवाभाव ही राष्टवाद और राष्ट्रधर्म है। गोरखपुर से पुष्पदन्त जैन,प्रो. शिवशरण दास,आगरा से डॉ. राजीव जैन,संजय जैन , मैनपुरी से डॉ. शिवानी, कानपुर से डॉ. रंजय प्रताप सिंह ,प्रयागराज से प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, वाराणसी से प्रो.फूल चन्द्र प्रेमी,डॉ.रमा जैन, लखनऊ से प्रो. पवन अग्रवाल, डॉ. पत्रिका जैन,प्रो. सुधा जैन और अंजू रघुवंशी ने अपने विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसान दिवस' पर चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि दी

लखनऊ,(यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नये कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए बुधवार को कहा कि आशंकाएं दूर किये जाने के बावजूद विरोध जारी रहना विपक्षी दलों के दुष्प्रचार का नतीजा है। योगी ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 118वीं जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम में कहा, ''किसान के चेहरे पर खुशहाली लाने के लिए ही कृषि क्षेत्र में तेजी के साथ सुधार के लिए केंद्र सरकार ने तीन कृषि कानूनों में व्यापक सुधार किए हैं लेकिन जिन्हें किसानों की प्रगति, देश का विकास और किसान के चेहरे पर खुशी अच्छी नहीं लगती, वे गुमराह करके किसानों को भड़का रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''बार–बार कहा जा रहा है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) समाप्त नहीं होगा लेकिन तब भी एमएसएपी के नाम पर गुमराह किया जा रहा है। बार–बार कहा जा रहा है कि मंडियां समाप्त नहीं होंगी लेकिन तब भी इसके नाम पर गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। प्र ानमंत्री ने मंडी को तकनीक के साथ जोड़ा लेकिन तब भी गुमराह किया जा रहा है कि मंडी बंद हो जाएगी।

इफको प्लांट में अमोनिया गैस का रिसाव, 2 की मौत, 20 से ज्यादा अस्पताल में सीएम ने दिये जांच के निर्देश

लखनऊ,(यूएनएस)। प्रयागराज के फूलपुर स्थित इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड में बीती रात बड़ा हादसा हुआ. कम्पनी के यूरिया उत्पादन यूनिट में अमोनिया गैस रिसाव की चपेट में आने से दो अधिकारियों की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ गई. इन्हे अलग–अलग अस्पतालों में एडमिट कराया गया है. बीमार कर्मचारियों की संख्या बढ़ सकती है. इस हादसे में असिस्टेंट मैनेजर वीपी सिंह और डिप्टी मैनेजर अभयनंदन की मौत हो गई। मंगलवार देर रात फूलपुर स्थित इफको के प्लांट में अमोनिया और यूरिया निर्माण की दो–दो यूनिट में रोज की तरह काम चल रहा था. रात 10 बजे से नाइट शिफ्ट में तैनात कर्मचारी अपने–अपने

काम में लगे हुए थे. करीब 11. 30 बजे के करीब यूरिया उत्पादन यूनिट में अचानक अमोनिया गैस का रिसाव होने लगा. इससे अफरातफरी मच गयी. काम कर रहे कर्मचारी बाहर की ओर भागे, लेकिन 15 लोग फंस गए और बेसुध होकर वहीं गिर गए। जब गैस रिसाव की सूचना अफसरों और पुलिस को मिली तो वे मौके पर पहुंचे. किसी तरह हताहत लोगों को फैक्ट्री से बाहर निकालकर शहर के एक अस्पताल ले जाया गया. इनमें से असिस्टेंट मैनेजर (यूरिया) वीपी सिंह व डिप्टी मैनेजर (ऑफसाइट) अभयनंदन कुमार की हालत बेहद गंभीर बनी हुई थी. अस्पताल में इलाज के दौरान कुछ घंटों बाद दोनों की मौत हो गई, जिससे वहां कोहराम मच गया. जानकारी के मुताबिक, अमोनिया गैस का रिसाव पाइप में लीकेज की वजह से हो सकता है. फिलहाल रिसाव को रोक दिया गया है और अधिकारी मामले की जांच करने की बात कह रहे हैं. वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले की जांच और बीमारों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए हैं।

उत्तरप्रदेश के प्रयागराज के फूलपुर स्थित इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड (इफको) के संयंत्र में मंगलवार देर रात बड़ा हादसा हुआ। प्लांट की यूरिया इकाई में अमोनिया गैस का रिसाव होने से दो अफसरों समेत 14 लोग इसकी चपेट में आ गए। सभी को अस्पताल ले जाया गया, जहां असिस्टेंट मैनेजर वीपी सिंह व डिप्टी मैनेजर अभयनंदन की मौत हो गई। 12 अन्य का इलाज चल रहा है।

सर्जन वाइस एडमिरल रजत दत्ता डीजीएएफएमएस के नए महानिदेशक के रूप में नियुक्त

लखनऊ,(यूएनएस)। प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ और सेना अस्पताल (आर एंड आर) के पूर्व कमांडेंट सर्जन वाइस एडमिरल रजत दत्ताको सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा (डीजीएएफएमएस) के नए महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। वह1 जनवरी 2021 को कार्यालय ग्रहण करेंगे। उनका कार्यकाल 23 महीने का होगा। वर्तमान नियुक्ति को संभालने से पहले, वाइस एडमिरल रजत दत्तामहानिदेशक, चिकित्सा सेवा (नौसेना) के प्रतिष्ठितपदपरनियुक्त हैं। सर्जन वाइस एडमिरल रजत दत्ता सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज, पुणे के पूर्व छात्र हैं और 1982 में एमबीबीएस पूरा करने के बाद 27 दिसंबर 1982 को एएमसी में नियुक्त हुए। उसके बाद1990 में उन्होंने बैंगलोर विश्वविद्यालय से जनरल मेडिसिन अर्थात एमडी और डीएनबी में अपनी पोस्ट ग्रेजुएट की पढ़ाई की और इसके बाद 1998 में पुणे विश्वविद्यालय से कार्डियोलॉजी में डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन (डीएम) किया। वह सोसाइटी ऑफ कार्डियोवास्कुलर एंजियोग्राफी और इंटरवेंशंसयू.एस.ए. में एक फैलो भी हैं। वाइस एडमिरल दत्ता भारत के राष्ट्रपति के कार्डियोलॉजिस्ट के रूप में नियुक्त हैं। वाइस एडमिरल रजत दत्ता एक प्रतिबद्ध डॉक्टर हैं, जो अपनी पेशेवर क्षमता और कौशल के लिए प्रसिद्ध हैं। एक कुशल शिक्षक और कार्डियोलॉजी के प्रोफेसर के साथ–साथ भारत में कई विश्वविद्यालयों और स्नातकोत्तर चिकित्सा संस्थानों जैसे महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, जिपमर, नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन के लिए एक परीक्षक हैं।

जिला बार एसोसिएशन कलेक्ट्रेट अमेठी के नवनिर्वाचित अधिवक्ता पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी से की शिष्टाचार भेंट

अमित रेखा ब्यूरो अमेठी।

आज जिला बार एसोसिएशन कलेक्ट्रेट अमेठी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजकरण तिवारी एडवोकेट एवं सचिवध्महामंत्री राकेश शुक्ला एडवोकेट सहित अन्य पदाधिकारीगण एवं वरिष्ठ अधिवक्तागणों ने आज जिलाधिकारी अरुण कुमार से उनके कार्यालय में औपचारिकध्शिष्टाचार भेंट किया। जिलाधिकारी द्वारा नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई और उन्हें जनसामान्य से संबंधित राजस्व वादों की सुनवाई शीघ्रता से कराए जाने हेतु प्रेरित किया। निर्वाचित पदाधिकारियों द्वारा भी जिलाधिकारी महोदय को राजस्व न्यायालय के संचालन में पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया गया तथा जिलाधिकारी महोदय से बार व बेंच के आपसी समन्वय अधिक प्रगाढ़ करने का अनुरोध किया गया।

माकपा ने किसानों के समर्थन में गिरफ्तारी करने की निंदा की

लखनऊ,(यूएनएस)। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी उ0प्र0 राज्य सचिव मण्डल ने कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों के समर्थन में उत्तर प्रदेश में धरना, प्रदर्शन, उपवास करने वालों और दिल्ली बार्डर पर धरने में शामिल होने के लिए जाने वालों को गिरफ्तार करने की तीव्र निंदा की है। भाजपा की योगी सरकार और उसका प्रशासन जनतांत्रिक तौर–तरीकों को कुचलने पर आमादा है। एक तरफ तो भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस एवं सरकार के मंत्री काले कृषि कानून के पक्ष में खुलेआम बेरोकटोक पदयात्रायें, सभाओं आदि का आयोजन कर रहे हैं वहीं दूसरी तरफ कृषि कानूनों के विरोध में होने वाले किसी भी कार्यक्रम पर दमन चक्र चला रहे हैं। 23 दिसंबर को अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वय समिति के आवाहन पर इलाहाबाद में एक दिवसीय उपवास करने वाले सीपीआई (एम) जिला सचिव सहित सीपीआई और माले और किसानसभा और लखनऊ में किसानसभा और वामपंथी दलों के कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया।

फिरौन के नाजायज बच्चे इस्लाम के दुश्मन : अफाक

लखनऊ,(यूएनएस)। राष्ट्रीय सामाजिक कर्यकर्ता संगठन के संयोजक मुहम्मद आफाक ने एक बयान में कहा कि फिरौन के नाजायज बच्चे इस्लाम के दुश्मन थे, जिसने इसलिए बुतों की पूजा को बढ़ावा दिया क्योंकि इस्लाम शुरू से ही बुतों की पूजा से मना करता रहा है। हम एक ईश्वर की पूजा करते हैं क्योंकि यह हमारे अंतिम पैगंबर मुहम्मद द्वारा दिया गया संदेश है। लेकिन फिरौन के नाजायज वंशज दुनिया भर में बेहूदा भोजन, संस्कृति और कपड़े द्वारा अपनी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए किया।क्योंकि हमारे धर्म में, लड़कों और लड़कियों को कानून के अनुसार जीने के लिए कहा जाता है, लेकिन आज पुर यूरोपीय संस्कृति, विशेष रूप से इजराइल, ने गुमराह करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई है। हमारे देश में भारत में भी हिंदू बहनें पर्दा करती थीं लेकिन आज हमारे देश में भी यूरोपीय संस्कृति पूरी तरह से हावी हो गई है। मुहम्मद आफाक ने मुस्लिम भाइयों और बहनों से अपील की और कहा कि आपको शरीयत के खिलाफ लिया जा रहा है क्योंकि उन्हें अपने फिरौन के प्रशिक्षण को बढ़ावा देना है। इससे बचना बहुत जरूरी है क्योंकि हमारा विश्वास अल्लाह और उसके रसूल की राह में है। इसीपर हमारे लिए चलना ही एकमात्र सफलता है।

बड़े अपराध की वारदातों से दहली राजधानी 72 घंटों के दौरान शहर में तीसरी बड़ी घटना

लखनऊ,(यूएनएस)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कमिश्नरी लागू होने के बाद भले ही आईपीएस अधिकारियों और पुलिस कर्मियों की संख्या में इजाफा हो गया हो और पुलिस को कई अन्य पावर मिल गए हो लेकिन बावजूद इसके शहर में अपराध की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही है। पिछले 72 घंटों के दौरान शहर में हुई तीन बड़ी वारदातों ने कमिश्नरेट पुलिस की मुस्तैदी पर सवालिया निशान लगा दिया है। 20 तारीख की शाम मोहनलालगंज में ईट भट्टा मालिक की गोली मारकर हत्या 21 तारीख की रात मड़ियांव में 70 वर्षीय बुजुर्ग व उसकी महिला मित्र की गला दबाकर हत्या और 22 तारीख की रात विभूति खंड थाना क्षेत्र में गन्ना विभाग के इंजीनियर के घर पत्नी और बेटी को बंधक बनाकर नकदी व जेवरात पर डाका। शहर की यह बड़ी वारदातें पर बताती है कि पुलिस का खौफ बदमाशों में कम हो गया है। विभूति खंड थाना क्षेत्र में हुई डकैती की वारदात के बाद पुलिस के आला अफसर मौके पर पहुंचे और वारदात के खुलासे के लिए पुलिस की 8 टीमों का गठन किया गया है । यहां डकैतों द्वारा सबूत को ना छोड़ते हुए इंजीनियर के घर में लगे सीसीटीवी कैमरे के डीवीआर भी लूटे गए है। जानकारी के अनुसार गन्ना विभाग में इंजीनियर के पद पर तैनात योगेंद्र श्रीवास्तव अपनी पत्नी निशा श्रीवास्तव और बेटी जिमिया श्रीवास्तव के साथ विभूति खंड थाना क्षेत्र के 4ध 69 विराज खंड में रहते हैं। मंगलवार की देर रात करीब 1.30 से 2.00 के बीच उनके घर में ग्रिल तोड़कर दाखिल हुए सात आठ बदमाशों ने घर में मौजूद उनकी पत्नी निशा श्रीवास्तव और बेटी जिमिया श्रीवास्तव को बंधक बना कर घर की अलमारियां थोड़ी और जेवरात व नकदी लूट ली। घर में मौजूद योगेंद्र श्रीवास्तव की पत्नी निशा के अनुसार बदमाशों की संख्या करीब 8 थी उन्होंने बताया कि बदमाश अपने हाथों में सरिया और बांका लिए हुए थे। बदमाशों ने उनके बेड पर पड़ी चादरों को उठाकर फाड़ा और उसी से मां बेटी के हाथ पैर व मुंह बांध दिया । लूटपाट करने के बाद बदमाश घर में लगे सीसीटीवी कैमरे के डीवीआर भी साथ ले गए। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी ने किसी तरह से अपने हाथ पैर खोले और सुबह के समय पुलिस को सूचना दी। इस संबंध में एडीसीपी पूर्वी कासिम आब्दी ने बताया कि बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की 8 टीमों का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि अभी यह नहीं पता चल पाया है कि बदमाश योगेंद्र श्रीवास्तव के घर से कितने की नकदी और कितने की ज्वेलरी लूट कर ले गए हैं उन्होंने बताया कि डकैती का मुकदमा दर्ज कर डकैतों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। डकैती की इस वारदात के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने डाग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया। घर में मौजूद योगेंद्र श्रीवास्तव की पत्नी का कहना है कि बदमाशों की भाषा से प्रतीत हो रहा था कि उनकी भाषा हम लोगों की तरह ही आम भाषा है इससे यह तो जाहिर हो रहा है कि बदमाश या तो लखनऊ के थे या तो आसपास के जिले के थे। पुलिस अब पूरे मामले की जांच और अपराधियों की गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई है। हालांकि पुलिस इन तीन बड़ी वारदातों में से एक वारदात मड़ियांव के डबल मर्डर का खुलासा कर चुकी है लेकिन मोहनलालगंज में हुई ईट भट्टा मालिक की हत्या करने वाले हत्यारों तक पुलिस के हाथ अभी नहीं पहुंचे हैं।

रोजगार सेवक के मृत्यु उपरांत उनकी पत्नी को उसी स्थान पर तैनाती की, शासन से की गई मांग

अमित रेखा रेखा–परवेज आलम
हतवा भटनी–देवरिया

स्थानीय विकासखंड भटनी के ग्राम पंचायत दनउर के ग्राम सेवक श्री तेज बहादुर सिंह का आकस्मिक मृत्यु 21 दिसंबर को रात 8रू00 बजे भोजन करते समय हो गए। जिनका शोक सभा

विकास खंड के सभागार में खंड विकास अधिकारी, ग्राम रोजगार सेवक एवं समस्त कर्मचारी शामिल होकर शोक सभा का आयोजन किया तथा ग्राम रोजगार सेवक संघ विकासखंड भटनी के ब्लॉक अध्यक्ष श्री संजय कुमार मिश्र के नेतृत्व में जीपीएफ कटौती के साथ बीमा का लाभ एवं उनके स्थान पर उनकी पत्नी को ग्राम रोजगार सेवक के पद पर तैनाती हेतु विकास खंड अधिकारी के माध्यम से शासन से मांग की।

रात के समय ट्रेक्टर पलटा युवक का मौत

अमित रेखा दिनेश गुप्ता

भटनी देवरिया भटनी भरथुवा मार्ग पर मजुरी चौराहा से सौ मिटर दक्षिण एक ट्रेक्टर पलट जाने से ट्रेक्टर चालक का घटना

स्थल पर ही मौत होगई।मामला खुखुन्दू थाना क्षेत्र के तुलसिबारा का है जहॉ एक चालीस वर्षीय युवक अपना गन्ना लेकर तौल कराने ले गया था वहां गन्ना लदी ट्राली छोड़ ट्रेक्टर से लौटते वक्त कोहरे के कारण गाडी सडक से नीचे चली गई ऊपर चढाते वक्त ट्रेक्टर पलट गया और युवक की मौत हो गई मृतक का नाम भीम यादव पुत्र रामचंद्र यादव भीम यादव तीन भाई थे जिसमे वहीं सबसे बडे थे।और वह अपने पिछे एक लडका दो लडकियां छोड गये।मामला सोमवार की रात की बताई जा रही है जब घटना की जानकारी परिवार वालो को हुई तो घर मे कोहराम मच गया।तब आनन फानन मे परिवार के लोग घटना स्थल पर पहुंचे ।और ग्रामीणों ने इसकी सूचना खुखून्दू पुलिस को दिये घटना स्थल पर खुखून्दू पुलिस पहुच कर ग्रामीणों और ट्रेक्टर की सहायता से डेड बॉडी को बाहर निकालवाया और अपने कब्जे मे लेकर खुखून्दू पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिये जिला चिकित्सालय भेज दिया।

किसानों के समर्थन में सपा कार्यकर्ताओं ने निकाला ट्रैक्टर और बाइक जुलूस

अमित रेखा इमरान अंसारी

लार देवरिया। सपा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के दिशा निर्देश पर आज दिनांक 23/12/2020 11:00 बजे

दिन में किसान विरोधी बिल के खिलाफ समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने लार नगर पंचायत के सुकठ मोड से लार बाजार होते हुए पिंडी चौराहे तक मोटरसाइकिल और ट्रैक्टर जुलूस निकाला इस जुलूस में समाजवादी पार्टी के क्षेत्रीय कार्यकर्ता एवं नेता उपस्थित रहे शांति सुरक्षा हेतु पुलिस प्रशासन भी जुलूस मे मौजूद रहा किसान विरोधी कानून के खिलाफ किसानों के समर्थन में सपा कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकालकर इस बिल का विरोध भी किया जुलूस में मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता ओपी यादव, जिला पंचायत सदस्य राम प्रकाश यादव ,ओम नारायण यादव ,अरुण यादव जिला पंचायत सदस्य, निर्भय यादव जिला पंचायत सदस्य, मूसा राजा लारी जमील अंसारी क्षेत्र पंचायत सदस्य ,वसीम अंसारी, पप्पू यादव समाजसेवी और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता इत्यादि लोग मौजूद रहे।

जनकल्याणकारी योजनाओं के सत्यापन की खुली बैठक डीएम एवं सीडीओ की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ

अमित रेखा दुर्गेश मूर्तिकार सिद्धार्थनगर आयुक्त बस्ती मंडल बस्ती अनिल कुमार सागर

की अध्यक्षता में तहसील नौगढ के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय जोगिया में वरासत तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के सत्यापन की खुली बैठक डीएम दीपक मीणा एवं सीडीओ पुलकित गर्ग की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। सिद्धार्थ नगर आयुक्त बस्ती मंडल बस्ती अनिल कुमार सागर ने भारत सरकारघ्उ0प्र0 सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाये जाने का सत्यापन ग्राम सभा के ग्रामीणों से किया गया। उन्होंने ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा जन कल्याण के लिए विभिन्न योजनायें संचालित की गई है जिससे पात्र व्यक्ति लाभान्वित होकर अपने जीवन स्तर में सुधार ला सकते है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुॅचाया जाये।अनिल कुमार सागर द्वारा आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत शौचालयों का निर्माण, खाद्यान्न वितरण, विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति, पेंशन, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, टीकाकरण व अन्य योजनाओं के बारे में लाभार्थियों को जानकारी दी गई। सभी योजनाओं का पात्र व्यक्तियों को लाभ दिलाये जाने के लिए खंड विकास अधिकारी को निर्देश दिया गया। आयुक्त बस्ती मंडल बस्ती द्वारा ग्रामवासियों की समस्याओं को सुना गया तथा उसके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया। डीएम दीपक मीणा द्वारा ग्राम जोगिया के प्राथमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आश्वस्त किया कि आयुक्त बस्ती मंडल बस्ती अनिल कुमार सागर द्वारा दिये गये निर्देशों का शत प्रतिशत रूप से अनुपालन किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गांव में किसी भी पात्र व्यक्ति को योजना से वंचित नहीं रखा जायेगा और ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित कर योजनाओं का लाभ दिया जायेगा।

संतोष त्रिपाठी ने तहसील परिसर बांसी मे स्थापित दुकानों का मामला ,तहसीलदार बांसी के पास पहुंचा

अमित रेखा दुर्गेश मूर्तिकार सिद्धार्थ नगर जनपद बांसी। एक–एक रूपया जोडकर राजस्व बढाने की सरकारी कवायद जिम्मेदारों की अनदेखी से राजस्व घाटे मे बदलते समय नहीं लग रहा है।अगर किसी ने आवाज भी उठाया तो नक्कारखाने मे तूती की तरह निगलेक्ट होने मे समय नही लग रहा है।राजनैतिक मंच से उठी आवाज कितना प्रभावी होगा इस बात की तहकीकात आने वाले दिनो मे हो सकेगा। बांसी तहसील परिसर मे चल रही आधा दर्जन के करीब दुकानों के बारे मे जन सूचना अधिकार अधिनियम के तहत नगर से वरिष्ठ भाजपा नेता व आदर्श नगर पालिका परिषद बांसी के नामित सभासद संतोष त्रिपाठी ने सूचना मांगी है। तहसीलदार को प्रेषित अपने लेटर पैड पर मांगी गई 04 बिंदुओं मे तहसील परिसर मे स्थापित दुकानों के नियमगत कैंता संबंधी जानकारी सहित टेण्डर प्रकृया का विवरण व टेण्डर की समयावधि और टेण्डर के अतिरिक्त दुकानों के स्थापित होने वाले प्रतिष्ठानों पर सवाल उठाते हुए अन्य दुकाने स्थापित करने की मांग की है।उल्लेखनीय है कि तहसील परिसर मे चल रही दुकानें संदेह के घेरे मे हैं।बिना किसी प्रक्रिया के चल रही दुकानों से राजस्व को चपत लग रही है परन्तु उसी दुकानों को खुलवाकर कुछ लोग मलाई काट रहे हैं।

धोखाधडी के मामले मे थानाध्यक्ष को रजिस्ट्री तहरीर पिडित ने भेजा

अमित रेखा भटनी देवरिया। भटनी थाना क्षेत्र मे एक ठगी का मामला सामने आया है जिसमे बिहार के एक युवक को विदेश भेजने के नाम पर भटनी खास के एक व्यक्ति ने उससे एक लाख रुपये हड़प लिये है। मिली खबर के अनुसार बिहार प्रान्त के विजयीपुर के महुआवं निवासी सद्दाम हुसैन पुत्र मनिराज अंसारी ने दिन सोमवार को एक रजिस्ट्री तहरीर थानाध्यक्ष भटनी को भेजी है।जिसमें शिकायतकर्ता ने लिखा है कि भटनी खास, नोनापार के निवासी एक व्यक्ति ने हमसे हमारे बड़े भाई को विदेश भेजने के लिए हमसे कुल एक लाख रूपये लिये थे जिसमें 90 हजार ट्रांजक्शन द्वारा व 10 हजार नकद दिया था।

अम्बेडकर सभागार में सम्पन्न हुई बैठक

अमित रेखा दुर्गेश मूर्तिकार सिद्धार्थ नगर। कोविड–19 एवं विकास कार्यो की प्रगति समीक्षा बैठक आयुक्त बस्ती मण्डल बस्ती अनिल कुमार सागर की अध्यक्षता तथा डीएम दीपक मीणा, सीडीओ पुलकित गर्ग एवं एडीएम सीताराम गुप्ता की उपस्थिति में अम्बेडकर सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे आयुक्त बस्ती अनिल कुमार सागर ने खाद्य विपणन अधिकारी को निर्देश दिया कि लक्ष्य के सापेक्ष धान खरीद का लक्ष्य पूर्ण कर तथा किसानों के बकाये का भुगतान जल्द से जल्द करने का निर्देश दिया। आयुक्त बस्ती मण्डल बस्ती द्वारा गौशाला निर्माण व संचालन में व्यय की गयी धनराशि का उपभोग प्रमाण–पत्र के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। सभी उपजिलाधिकारीध्खण्ड विकास अधिकारी ने अवगत कराया कि उपभोग प्रमाण–पत्र उपलब्ध करा दिया गया है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि जनपद की सभी गौशालाओं का निरीक्षण कर उन्हे क्रियाशील कराये तथा वहां पर हरा चारा, पानी, भूसा आदि की समुचित व्यवस्था कराये। आयुक्त बस्ती मण्डल अनिल कुमार सागर ने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण के प्रगति की समीक्षा, प्रधानमंत्री आवास शहरी, प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण के कार्य में प्रगति लाये जाने का निर्देश दिया गया। मण्डल बस्ती द्वारा जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिया कि जनपद में राशन की रिक्त चल रही दुकानों को संचालित कराने तथा दुकानों के निलंबन की कार्यवाही से पहले खुद जाकर जांच कर लिया जाए। अनिल कुमार सागर ने आई.जी.आर.एस., राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिषन (राष्ट्रीय अन्धता निवारण कार्यक्रम), राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिषन (बाल स्वास्थ्य गारन्टी योजना), राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिषन (जननी सुरक्षा योजना), तथा अन्य विभागों के प्रगति की समीक्षा की गयी। आई0जी0आर0एस0 से संबधित सभी अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि प्रकरणों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाये तथा शिकायतकर्ता को फोन द्वारा वार्ता करके अवगत कराया जाये। पेंशन योजनाओं का चिन्हीकरण एवं सत्यापन कराये जाने का भी निर्देश दिया गया। आयुक्त बस्ती मण्डल बस्ती अनिल कुमार सागर ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत मिलने वाले लाभ दिलाने तथा गोल्डेन कार्ड बनाया जाये।

अनिल कुमार सागर ने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिया कि अगले माह तक अपने विभाग का लक्ष्य शत–प्रतिशत पूर्ण कर ले। इसके पश्चात सभी अधिकारियों के अधीनस्थ कार्यालय समय से पहुँचे। जिला स्तरीय अधिकारी क्षेत्र भ्रमण अवश्य करे।

हरदोई पिहानी हरियावां शुगर मिल के कामदार द्वारा किसानों को किया जा रहा परेशान

अमित रेखा ब्यूरो हरदोई। हरदोई पिहानी के ग्राम पनडरवा किला के गन्ना मिल के द्वारा कार्यत कामदार की मनमानी के कारण छोटे किसानों की अभी तक पर्ची ना आने से उनका गन्ना खेतों में ही खड़ा है वहीं दूसरी तरफ बड़े किसान तथा पूंजीपति दलाल जो सेंटर पर हर वक्त छोटे किसानों का गन्ना मात्र 200 ढाइ सौ में खरीद कर मोटी रकम कमाई जा रही है वही छोटे किसानों की पर्ची ना आकर इन दलालों के पास पंछियों का ढेर रहता है यह सब कामदार और दलालों की मिलीभगत से खेल खेला जा रहा है क्योंकि इनसे कामदार को मोटी रकम मिलती है तथा छोटे किसान गरीब हैं कहां से इनको पैसा देंगे यही सर्वे के टाइम पर इन दलालों के कोटे में काफी मात्रा में सर्वे कर दिया जाता है बहुत से किसान ऐसे भी हैं जिनके पास एक गन्ना तक नहीं है और उनके नाम सर्वे करवाकर यही दलाल पर्चियां काफी मात्रा में लगबाते हैं और खुद मोटी रकम कमाकर कामदार को भी हिस्सेदार करते हैं इस खेल में पिस्ता तो छोटा किसान है अगर कामदार से कोई भी किसान अपनी पर्ची के बारे में पता करता है तो कामदार द्वारा कहा जाता है कि तुम्हारे पास बेसिक कोटा कहां है बेसिक कोटा के चक्कर में बेचारा किसान हाथ मल कर बैठ जाता है कब तक यह खेल चलेगा पूंजी पतियों के पेट भरए जाएंगे बेचारे गरीब जनता ओने पौने दाम पर या तो फिर इन दलालों के हाथ में या फिर गन्ना कोल्हू पर बेचने को मजबूर होगा खेल बड़े जोरों से चल रहा है आगे देखना यह बाकी है की शासन प्रशासन इस तरफ ध्यान देता है या फिर नहीं?

ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से 8 वर्षीय बालिका की हुई दर्दनाक मौत

अमित रेखा सुनील पाण्डेय

ब्यूरो महराजगंज। जनपद के बृजमनगंज थाना क्षेत्र के धानी ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत करमहा टोला जुनरबी में अचानक टैक्टर की चपेट में नाजमा (8) पुत्री फरीद खान बच्ची की मृत्यु हो गयी तथा जैसे ही ग्रामीणों को पता चला लोग इकट्ठा हो गए, परिवार में भी मातम पसर गया। जिसकी सूचना पाते ही बृजमनगंज थानाध्यक्ष संजय दूबे हमराही के साथ मौके पे पहुँच कर बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए और ट्रैक्टर–ट्राली को अपने कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही में जुट गए साथ में उपनिरीक्षक आशुतोष राय, प्रेमशंकर दुबे,दुर्विजय, करमहा ग्राम सभा के प्रधान प्रतिनिधि नूरूल्लाह खान, वीरेंद्र चौरसिया, गामा यादव, सुनील गुप्ता, चंदन मद्धेशिया, प्रदुमन अग्रहरि, सत्यम अग्रहरि, इत्यादि लोगो ने मौजूद रहे।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति हेतु अनलाइन आवेदन 15 जनवरी, 2021 तक

अमित रेखा ब्यूरो अमेठी।

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि जनपद के समस्त शिक्षण संस्थाओं विद्यालय/महाविद्यालय के प्रधानाचार्यों/प्रबंधकों एवं समस्त अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए पिछड़े वर्ग के दशमोत्तर (कक्षा 11–12 एवं अन्य दशमोत्तर कक्षाएं) छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत पुनः समय सारणी जारी की गई है। दशमोत्तर छात्रवृत्ति हेतु छात्रों द्वारा ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 जनवरी, 2021 एवं संस्था द्वारा छात्रों से प्राप्त ऑनलाइन आवेदन पत्रों की हार्ड कापी प्राप्त करना एवं संलग्न अभिलेखों से छात्र–छात्रा के समस्त विवरण का मिलान करने एवं अनलाइन प्राप्त आवेदन सत्यापित करना तथा वापस करना अंतिम तिथि दिनांक 15 जनवरी, 2021 तक करके अग्रसारित कर दिया जाएगा । उन्होंने बताया कि सभी छात्र–छात्राएं अपना ऑनलाइन आवेदन प्रत्येक दशा में 10 जनवरी, 2021 तक अवश्य कर दें।

धुरिया समाज के लोगों ने एसडीएम से मिलकर मुख्य तीन बिन्दुओं पर की चर्चा

अमित रेखा सुनील पाण्डेय

ब्यूरो महराजगंज। आज धुरिया जनजाति समाज व तहसील प्रशासन फरेन्दा के बीच एक अहम खुली बैठक आयोजित की गई जिसमें धुरिया समाज द्वारा मुख्य तीन बिन्दुएं पर बात रखी गई। शासनादेश दिनांक 23 अक्टूबर 2020 संख्यासंख्या 176 मंत्रीष 26–3–2020 के प्रावधानों के अनुसार धुरिया मूलजाति की जांच हो, धुरिया समाज के जिलाध्यक्ष राजमंगल गोंड ने माग किया कि प्रशासन यह बताए कि अगर हम धुरिया नही है तो प्रशासन हमें शासनादेश में वर्णित किस मूलजाति की मानती है। धुरिया समाज का प्रतिनिधित्व करते हुए क्षेत्रीय विधायक बजरंग बहादुर सिंह ने कहा कि निष्पक्ष होकर शासनादेशो के अनुसार जांच करते हुए धुरिया अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र जारी करें अन्यथा यह बात विधानसभा में उठाते हुए तहसील प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वही जिला पंचायत प्रत्याशी राहुल शर्मा ने तीन बिन्दुओं पर जांच कराने की माग करते कहा कि 1891 जनगणना वर्ष के अनुसार जांच हो, साथ ही साथ यह भी जांच की आवेदक किस मूलजाति के है फिर भी अगर आवश्यकता पड़ी तो धुरिया समाज के साथ संघर्ष करना पड़ा संघर्ष किया जायेगा। बैठक में धुरिया समाज के जिला महामंत्री रमेश गोंड जिलाउपाध्यक्ष, जयगांधी धुर्वा, रामबालक धुरिया, रामलाल धुरिया, शंकर धुरिया, सियाराम धुरिया, राधेश्याम धुरिया सतेन्द्र गोंड, भूमक सतीश चन्द्र, दिनेश धुर्वे तहसील अध्यक्ष बनवारी धुरिया के साथ साथ हजारों की संख्या में धुरिया बिरादरी के लोग उपस्थित रहें।।

पूर्व सभापति गणेश शंकर पाण्डेय ने गरीबों में किये कम्बल वितरण

अमित रेखा सुनील पाण्डेय

ब्यूरो महराजगंज। महराजगंज जनपद के नौतनवा तहसील क्षेत्रों में पूर्व सभापति गणेश शंकर पाण्डेय के नेतृत्व में गरीब असाह मजदूरों में सैकड़ों कम्बल वितरण किया गया वही कम्बल पाते ही लोगों के चेहरे खिल उठे इस मौके पर बबलू पाण्डेय, दीपक पाण्डेय, अशोक त्रिपाठी, अनिल मिश्रा, जितेन्द्र राय, बबलू चौबे, कल्लू यादव, अभिषेक चौबे ,विजय उपाध्याय सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

उपजिलाधिकारी उतरौला ने किया रैन बसेरे का स्थलीय निरीक्षण

अमित रेखा रेखा

ब्यूरो बलरामपुर। उपजिलाधिकारी उतरौला के आवास के बगल स्थित रैन बसेरा में एक पखवाड़े से चल रहे इस रैन बसेरा में अब तक एक महिला समेत कुल 20 लोग रात्रि निवास कर चुके हैं। अगर बात करे कोरोना से बचाव की तो यहां पर सेनेटाइजर की व्यवस्था है। गैस सिलेंडर, चूल्हा, पेयजल व बेड्स की व्यवस्था मंगलवार को कराई गई है। दिन व रात पाली में अलग–अलग दो कर्मचारियों की तैनाती भी की गई है। उपजिलाधिकारी उतरौला अरुण कुमार गौड़ ने मंगलवार को रैन बसेरा का स्थलीय निरीक्षण किया। ईओ अवधेश वर्मा ने बताया कि बुधवार से यहां दोनों समय में अलाव की व्यवस्था करा दी गई है। कुल पांच कमरों में लोगों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। सभी कमरों के लिए प्रकाश, कंबल, बिस्तर, पेयजल व टायलेट की व्यवस्था की गई है। उपजिलाधिकारी उतरौला अरुण कुमार गौड ने बताया कि रैन बसेरा के आस–पास नियमित सफाई कराने व परिसर के अतिक्रमण को हटाने का आदेश दिया गया है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक तथा सम्पादक अमरनाथ पाण्डेय द्वारा अमित प्रिन्टर्स कालेज रोड फाजिलनगर से मुद्रित ग्राम बरवहा पाण्डेय फाजिलनगर कुशीनगर से प्रकाशित।
सम्पादक
अमरनाथ पाण्डेय
मो. - 9532989009
उप सम्पादक - के.के. राय
सह. सम्पादक- चन्द्रशेखर यादव
मण्डल प्रभारी गोरखपुर- [illegible]
विज्ञापन व्यवस्थापक- नसरूल्लाह अंसारी
प्रबंधक- निखिल कुशवाहा
ईमेल : amitrekhaksn@gmail.com